सावन, शुक्ल पक्ष 01, वर्ष-10, अंक 110, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये
प्रयागराज, सोमवार 15 जुलाई, 2024
TM
नगर संस्करण
10 वर्ष विश्वास के
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित
Adhunik Samachar

रचना त्रिवेदी नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते है ?

मो० कौशर कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट). फीटर. बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेटर फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एल्लीकेशन), इलेकिट्रकल टेकिनशियन, रेफ्जिरेशन एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

रचना त्रिवेदी आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र एवं अन्य प्रशिक्षण केद्रों में क्या अंतर है ?

मो० कौशर नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ. प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रडिंग की गई है एवं एम.आई.एस डिफेस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्याधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते है हमारे फोन नंबर इस प्रकार है– 9415608710,9415608783,7459860480

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

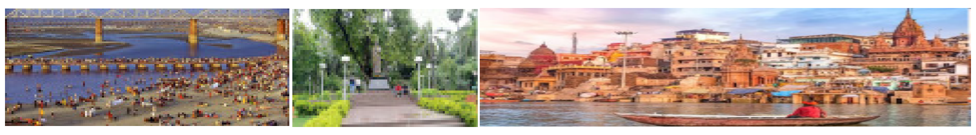

प्रदेश आस/पास

आपसी विवाद में दंपती ने फांसी लगा कर दी जान, एक साल पहले किया था प्रेम विवाह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। मेजा के उरूवा बाजार में दंपती का शव फंदे से लटकता मिलने पर हड़कंप मच गया। दोनों के शव अलग-अलग कमरे में मिले हैं। साल भर पहले उनकी शादी हुई थी और अभी बच्चे नहीं थे। वह किराए पर कमरा लेकर रहते थे। पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई है। वह मेजा थाना क्षेत्र के मनुकापुरा के रहने वाले हैं। मेजा इलाके के उरूवा चौराहे के समीप किराए के कमरे में पति-पतनी शनिवार रात में फांसी के फंदे से झूल कर जान दे दी। दोनों का शव अलग-अलग कमरे में फंदे से लटका मिला। सुबह घटना की जानकारी होने पर हड़कंप मच गया। सूचना पर मौके पर थानाध्यक्ष राजेश उपाध्याय के साथ एसीपी मे जा रवि कुमार गुप्ता पहुंच गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फॉरेंसिक टीम भी पहुंच जांच पड़ताल में जुटी हुई है। मेजा थाना क्षेत्र के मनु का पूरा गांव के अरविंद शर्मा (30) पिकअप चालक था। उसकी शादी अभी साल भर पहले दीक्षा (26) पुत्री अमरजीत निवासी उतरावं के साथ हुई थी। परिजनों के मुताबिक सप्ताह भर पहले दीक्षा अपने मायके गई हुई थी। बृहस्पतिवार को अरविंद शर्मा पतनी दीक्षा को लेकर यहां घर ना आकर उरूवा चौराहे के समीप किराए का कमरा लेकर रहने लगा।शनिवार रात में पति-पतनी दोनों फांसी लगाकर जान दे दी। रविवार सुबह घटना की जानकारी हुई तो हड़कंप मच गया। सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंच शव को कमरे से बाहर निकाला। दीक्षा और अरविंद का शव अलग-अलग कमरे में फांसी के फंदे से झूलता हुआ पाया गया है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। पुलिस के मुताबिक पारिवारिक कलह से तंग होकर दंपति ने फांसी लगाकर जान दिया है। फॉरेंसिक टीम भी पहुंच जांच पड़ताल में जुटी हुई है। घटना से घर में कोहराम मचा हुआ है।

प्रयागराज में तेजी से बढ़ रहा गंगा-यमुना का जलस्तर, सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने लगे दुकानदार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रदेश के कई हिस्सों में हो रही बारिश के अलावा कई पानी छोड़े जाने के चलते गंगा और यमुना के जलस्तर में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। हालांकि गंगा और यमुना का जलस्तर चेतावनी बिंदु के काफी नीचे है, लेकिन घाट के किनारे दुकान लगाकर रोजी रोटी कमाने वालों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। घाटिये भी अपने तंबू टेंट को सुरक्षित स्थानों पर ले जा रहे हैं। बीते कुछ दिनों से यमुना के जलस्तर में तेजी से बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। गंगा के जलस्तर में भी वृद्धि दर्ज की जा रही है। बीते कुछ दिनों से उत्तराखंड, पश्चिमी यूपी समेत तमाम इलाकों में बारिश हो रही है। इसका असर नदियों के जलस्तर में भी देखने को मिला है। हालांकि, प्रयागराज में गंगा और यमुना में जलस्तर बढ़ने की गति ज्यादा नहीं है। यहां चेतावनी बिंदु से दोनों ही नदियां काफी नीचे बह रही हैं। गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।

बोरे में महिला का अर्धनग्न शव मिलने से सनसनी, तेजाब से जलाया गया है चेहरा, शिनाख्त में जुटी पुलिस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। महिला के शव को तेजाब डालकर विकृत कर दिया गया था। काफी देर तक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई थी। ऐसी आशंका है कि महिला की हत्या कहीं और पर करने के बाद उसके शव को झूंसी के कछार में ठिकाने लगाया गया है। झूंसी थाना क्षेत्र के बदरा सोनौटी गांव के कछार में रविवार की सुबह नाले में शव पड़ा मिला। शव को बोरे में भरकर फेंका गया था। ग्रामीणों की सूचना पर झूंसी पुलिस मौके पर पहुंच गई।फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। महिला के शव को तेजाब डालकर विकृत कर दिया गया था। काफी देर तक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई थी। ऐसी आशंका है कि महिला की हत्या कहीं और पर करने के बाद उसके शव को झूंसी के कछार में ठिकाने लगाया गया है। थाना क्षेत्र के बदरा सोनौटी गांव के कछार में रविवार की सुबह तकरीबन ग्यारह बजे चरवाहे जानवर चराने गए थे। तभी उनकी नजर नाले में पड़े एक प्लास्टिक के बोरे पर पड़ी। पास जाकर देखा तो बोरे में महिला की क्षत-विक्षत और अर्धनग्न लाश थी। शव पर तेजाब डालकर पहचान मिटाने की भी कोशिश की गई थी। तेजाब से उसका चेहरा और शरीर का आधा हिस्सा बुरी तरह झुलस गया था।झूंसी थानाध्यक्ष उपेंद्र प्रताप सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और तफ्तीश शुरू की। बाद में फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। कई घंटे बाद तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। ऐसी आशंका है कि महिला की हत्या कहीं और पर करने के बाद उसके शव पर तेजाब डालकर पहचान मिटाने की कोशिश की गई। बाद में शव को झूंसी के कछार के नाले में फेंक दिया गया। पुलिस का मानना है कि देर रात महिला के शव को सोनौटी गांव के नाले में लाकर फेंका गया होगा। झूंसी थानाध्यक्ष उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शिनाख्त की कोशिश की जा रही है।

पीडीए ने मुट्ठीगंज के बासमंडी में लगाया समस्याओं का महाकुंभ, कारोबार और जनजीवन प्रभावित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। तीर्थनगरी में संस्कृतियों के समागम से पहले समस्याओं का महाकुंभ लगने लगा है। बांसमंडी में पीडीए के विकास का पहिया किस कदर उल्टी दिशा में घूमने लगा है, इसे देखकर आप हैरान रह जाएंगे। सात मीटर चौड़ी सड़क के दोनों तरफ नाली निर्माण के लिए डेढ़-डेढ़ मीटर खोदाई कर छोड़े जाने से जिंदगी की गाड़ी ठहर सी गई है। पानी की पाइपें जेसीबी से टूट कर नष्ट हो गई हैं उन्हीं गड्ढों में अब पानी भरकर सुबह-शाम घरों-दुकानों से लेकर सड़क तक पहुंच रहा रहा है। मंडी में भीषण जाम की वजह से ग्राहकों के न आने से कारोबारी सुबह से शाम तक धूल फांक रहे हैं। शहर में महाकुंभ के कार्य किस गति हो रहे हैं, इसे देखना हो तो बांसमंडी जाने वाली तिलक रोड पर चलिए। सुलाकी चौराहे से दक्षिण की ओर मुड़ने वाली इस गली में शहर की सबसे बड़ी थोक मंडी है। मंडी में लोहा, फर्नीचर, सीमेंट चादर और गद्दा का थोक कारोबार जिले ही नहीं आसपास के इलाकों को भी जोड़ता है। महीने भर पहले पीडीए की ओर से महाकुंभ के तहत सेठी हार्डवेयर के पास से विंध्यवासिनी आयरन स्टोर के बीच इंटरलॉकिंग तोड़कर बांई पटरी की खोदाई कराई जाने लगी। जब व्यापारियों ने विरोध किया तब ठेकेदार का कहना था कि रात में सौ मीटर खोदाई कर स्लैब बना दिया जाएगा। तब काम आगे होगा। वहां रहने वाले डॉ. कौस्तुभ तिवारी बताते हैं कि दुकानों के आगे तीन मीटर से अधिक गहरा और डेढ़ मीटर चौड़ी खोदाई कर मलबा सड़क पर ही डाला जाने लगा। तब जेई-ठेकेदार का कहना था कि एक पटरी पर नाली बनने के बाद दूसरी तरफ खोदाई कराई जाएगी, लेकिन पांच दिन बाद ही दूसरी तरफ भी गहरी खोदाई जेसीबी के कराई जाने लगी। इससे दर्जनों घरों की पेयजल पाइप लाइन टूट गई। पानी घरों से दुकानों तक घुसने लगा। शिकायत पर ठेकेदार ने दूसरी पाइप जोड़वाई, लेकिन वह घटिया किस्म की होने की वजह लिकेज कर रही है। सौ मीटर प्रतिदिन खोदाई कर नाली के लिए स्लैब ढालने का लक्ष्य था, लेकिन महीने भर से गड्ढे खोद कर छोड़ दिए गए हैं। जाम लगने से व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो गया है।मेरी पतनी को शुक्रवार को प्रसव पीड़ा होने लगी। घर से अस्पताल तक जाने में पसीने छूट गए।

गश्त पर निकले सिपाही की सड़क हादसे में मौत, वाहन के धक्के से बाइक समेत चले गए गड्ढे में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। फाफामऊ थाने में तैनात सिपाही वीरेंद्र कुमार यादव शनिवार की रात को बाइक से गश्त पर निकले थे। मलाक हरहर गांव के सामने किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। गश्त पर निकले सिपाही की सड़क हादसे में मौत हो गई। उनका शव सड़क के किनारे खोदे गए पानी भरे गड्ढे में मिला। घटना की जानकारी होते ही पुलिस पहुंच गई। शव को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। फाफामऊ थाने में तैनात सिपाही वीरेंद्र कुमार यादव शनिवार की रात को बाइक से गश्त पर निकले थे। मलाक हरहर गांव के सामने किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे वह सड़क चौड़ीकरण के लिए खोदे गए गड्ढे में चले गए। गड्ढे में भरे पानी में डूबने से उनकी मौत हो गई। सुबह लोगों ने उन्हें मृत अवस्था में देखा तो घटना की जानकारी थाने में दी। मौके पर पुलिस अधिकारी पहुंच गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

महाकुंभ तक प्रयागराज में न रुकने वालीं सभी 26 ट्रेनों का हो जाएगा ठहराव, भेजा गया प्रस्ताव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन से कुल 264 ट्रेनों की आवाजाही वर्तमान समय है। इसमें से 26 ट्रेनों का यहां ठहराव नहीं है। प्रदेश का महत्वपूर्ण शहर होने एवं महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन होने के बावजूद यहां 26 ट्रेनों के ठहराव न होने का मुद्दा अमर उजाला ने उठाया था। प्रयागराज जंक्शन से कुल 264 ट्रेनों की आवाजाही वर्तमान समय है। इसमें से 26 ट्रेनों का यहां ठहराव नहीं है। प्रदेश का महत्वपूर्ण शहर होने एवं महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन होने के बावजूद यहां 26 ट्रेनों के ठहराव न होने का मुद्दा अमर उजाला ने उठाया था। इसके बाद पिछले वर्ष उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के अधीन आने वाले लोकसभा सदस्यों की महाप्रबंधक एनसीआर संग बैठक में यह मुद्दा पूर्व सांसद केशरी देवी ने उठाया था। डीआरएम प्रयागराज हिमांशु बडोनी ने बैठक में सवालों के जवाब में रेलवे की ओर से की गई कार्रवाई के बारे में उन्हें अवगत कराया है। केशरी देवी को इसी सप्ताह डीआरएम प्रयागराज को भेजे गए पत्र में बताया गया है कि प्रयागराज जंक्शन पर 12313/12314 सियालदाह राजधानी, 20501/20502 अगरतला राजधानी, 20839/20840 रांची राजधानी आदि ट्रेनों के ठहराव का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेज दिया गया है। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज जंक्शन से गुजरने वालीं ट्रेनें जिनका ठहराव यहां नहीं है, उस पर विचार हो रहा है। इसके अलावा गोवा के वास्को-द-गामा से पटना के बीच चलने वाली वीकली ट्रेन के फेरे बढ़ाए जाने का पत्र दक्षिण पश्चिम रेलवे को भेजा गया है। पत्र मिलने के बाद केशरी देवी ने बताया कि उम्मीद है कि महाकुंभ तक यहां न रुकने वालीं सभी 26 ट्रेनों का ठहराव शुरू हो जाएगा।

विविध

भारत

संक्षिप्त समाचार

सेवा-पानी का मौका दो एक रात रुकने का क्या लोगी' महिला ने बताई सीआईएसफ जवान को थप्पड़ मारने की वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट पर गुरुवार को सीआईएसएफ के एक एएसआई को महिला कर्मचारी ने थप्पड़ जड़ दिया। महिला

कर्मचारी स्पाइसजेट एयरलाइंस में कार्यरत है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह अपनी महिला कर्मचारी के साथ खड़ी है। इस बीच महिला कर्मचारी ने मीडिया के सामने आकर अपनी बात रखी और घटना के पीछे की पूरी वजह बताई। जयपुर एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ जवान को थप्पड़ मारने के मामले में स्पाइसजेट की महिला कर्मचारी ने अपना पक्ष रखा है। जवान के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दी है। महिला ने जवान पर परेशान करने का आरोप लगाया है। महिला के मुताबिक सीआईएसएफ जवान ने महिला को नौकरी से निकलवाने की धमकी तक दी है। उधर स्पाइसजेट ने भी पूरे मामले में अपना रुख स्पष्ट किया है। महिला कर्मचारी ने कहा, ठ11 जुलाई को सुबह साढ़े चार बजे मैं अपना काम कर रही थी। तभी एएसआई गिरिराज प्रसाद ने मुझसे कहा कि कहां जा रही हो? मुझे भी सेवा-पानी का मौका दो। एक रात रुकने का क्या लोगी? तुम मेरा कहना मान लो। तुम्हे चैन मिलेगा और तुम्हारा काम चल्दी हो जाएगा। जब मैंने कहा कि मैं पुलिस में शिकायत कर दूंगी तो उसने कहा कि तुम मेरा कुछ बिगाड़ नहीं सकती हो। तुम जैसी बाजारू औरत मैंने बहुत देखी हैं। तुम्हें नौकरी से निकलवा दूंगा। भीख मांगने वाली हालत हो जाएगी... अगर मेरा कहना नहीं मानोगी महिला ने जानकारी दी है कि एएसआई गिरिराज सिंह ने पहले शिकायत दर्ज कराई है।

दिल्ली यूपी के कई इलाकों में झमाझम बारिश से सुहाना हुआ मौसम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में उमस भरी गर्मी के बीच शनिवार को हुई झमाझम बारिश से मौसम एक बार फिर सुहाना हो गया है। दिल्ली और नोएडा समेत एनसीआर के कई इलाकों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए हुए हैं। इससे पहले तड़के सुबह मौसम विभाग ने बारिश की चेतावनी जारी की थी मौसम विभाग ने शनिवार सुबह

उत्तरी दिल्ली, उत्तर-पूर्वी दिल्ली, मध्य-दिल्ली, नई दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, दक्षिण-पूर्वी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, एनसीआर (लोनी देहात, हिंडन एएफ स्टेशन, गाजियाबाद, इंदिरापुरम, छपरौला, नोएडा, दादरी, ग्रेटर नोएडा, फ़रीदाबाद, बल्लभगढ़) गननैर, सोनीपत, सोहना, पलवल, नूंह (हरियाणा) बड़ौत, बागपत, खेकड़ा, सिकंदराबाद, खुर्जा (यूपी)में हल्की आंधी और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई थी। बारिश के पूर्वानुमान के बावजूद दिल्लीवासियों को शनिवार को अपेक्षाकृत शुष्क मौसम का सामना करना पड़ा और अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से एक डिग्री कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी। दिन में आर्द्रता 63 से 67 प्रतिशत के बीच रही।

आर्मस्ट्रांग की हत्या में शामिल हिस्ट्रीशीटर पुलिस मुठभेड़ में ढेर, हिरासत में होते हुए भी इस वजह से हुआ एनकाउंटर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
चेन्नई। बहुजन समाज पार्टी के तमिलनाडु चीफ के आर्मस्ट्रांग की हत्या में शामिल हिस्ट्रीशीटर

थिरुवेंगदम को पुलिस ने माधवरम में हुए मुठभेड़ में मार गिराया गया। पुलिस ने आर्मस्ट्रांग की हत्या में शामिल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सभी संदिग्धों से पांच दिनों तक पुलिस हिरासत में पूछताछ कर रही थी। दरअसल, रविवार की सुबह पुलिस आरोपी थिरुवेंगदम को माधवरम के पास एक जगह पर ले गई, ताकि वे हथियार बरामद किए जा सकें जिनका इस्तेमाल उन्होंने आर्मस्ट्रांग की हत्या में किया था। इसी दौरान थिरुवेंगदम ने एक एसआई पर हमला करने और पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की थी।रविवार की सुबह पुलिस आरोपी थिरुवेंगदम को माधवरम के पास एक जगह पर ले गई ताकि वे हथियार बरामद किए जा सकें जिनका इस्तेमाल उन्होंने आर्मस्ट्रांग की हत्या में किया था। इसी दौरान थिरुवेंगदम ने एक एसआई पर हमला करने और पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की थी। हिरासत से भागने की कोशिश कर रहे थिरुवेंगदम पर पुलिस ने गोली चला दी। हिरासत से भागने की कोशिश कर रहे थिरुवेंगदम पर पुलिस ने गोली चला दी। गोली लगने से वह घायल हो गया, इसके बाद पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

चंद्रबाबू नायडू की सरकार ने किया बड़ा फेरबदल, 37 आईपीएस का किया तबादला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अमरावती। आंध्र प्रदेश की एन चंद्रबाबू नायूड सरकार ने कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। शनिवार को नायडू ने 37 आईपीएस अधिकारियों को इधर से उधर किया है। अनकापल्ली जिले के पुलिस अधीक्षक केवी मुरली कृष्ण को उसी पद पर अनंतपुर जिले में स्थानांतरित कर दिया गया है। तबादला आदेश मुख्य सचिव नीरभ कुमार प्रसाद ने जारी किया है आंध्र प्रदेश की चंद्रबाबू नायडू सरकार ने शनिवार को 37 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। वहीं नौ आईपीएस अधिकारियों को पुलिस महानिदेशक कार्यालय में रिपोर्ट करने को कहा गया है। अदनान नईम असमी गोदावरी जिले के नए एसपी होंगे। वकुल जिंदल

को विजयनगरम भेजा गया है। वह एम. दीपिका की जगह लेंगे। मुख्य सचिव नीरभ कुमार प्रसाद ने तबादला आदेश जारी किया है। बापटला जिले के एसपी वकुल जिंदल को एम. दीपिका की जगह विजयनगरम जिला भेजा गया है। एक दीपिका को अनकापल्ली स्थानांतरित किया गया है कृष्णा जिले के एसपी अदनान नईम असमी को पश्चिम गोदावरी जिले में स्थानांतरित कर दिया गया है, जहां वे अजीता वेजेंडला की जगह लेंगे। वहीं अजीता को पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) - 1 विशाखापत्तनम शहर के रूप में तैनाती दी गई है। नौ आईपीएस अधिकारियों को आगे की पोस्टिंग के लिए पुलिस महानिदेशक सीएच द्वारका तिरुमाला राव के कार्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया।

संविधान हत्या दिवस' पर सियासी घमासान, भाजपा ने अखिलेश से पूछा- क्या मुलायम सिंह यादव अराजकता का हिस्सा थे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा आपाताकाल की बरसी 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाए जाने के निणन्य को लेकर विपक्ष की तीखी प्रतिक्रिया का भाजपा ने भी जवाब दिया है। नेहरू शासनकाल से लेकर अब तक की प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने विपक्ष से पूछा कि क्या जेपी का आंदोलन अराजक था। क्या मुलायम सिंह यादव अराजकता का हिस्सा थे।भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि हमारी सरकार ने जब से संविधान हत्या दिवस मनाने का निणन्य लिया है तो परिभाषित किया कि संविधान की हत्या क्या होती है। कहा कि आपातकाल में देश के सभी नागरिकों के मूल अधिकारों को समाप्त कर दिया गया था। पुलिस के पकड़ने पर कोई भी व्यक्ति अदालत नहीं जा सकता था। अगर कोई व्यक्ति यह कह दे कि 'इंदिरा गांधी की सरकार हटानी है' तो इस बात पर उसे जेल में

कई घटनाओं को गिनाते हुए परिभाषित किया कि कांग्रेस जब-जब सत्ता में आई तो उसने संविधान की हत्या कैसे की। संविधान हत्या दिवस पर सियासत गरमा चुकी है। विपक्ष ने जहां इस मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधा तो वहीं भाजपा ने कांग्रेस और उसके अन्य सहयोगी दलों से कई सवाल पूछे। भाजपा के राष्ट्रीय संविधान की रक्षा का स्वांग रचने वाले बहुरूपियों के हृदय में बड़ी वेदना शुरू हो गई है। वह कह रहे हैं कि 50 साल पुरानी बात की आवश्यकता क्यों है? जब यह लोग खुद सीधे 80-85 साल पीछे जाकर यह बात करने लगते है कि आजादी की लड़ाई में उनका कॉपीराइट था। सुधांशु त्रिवेदी ने बताया कैसे हुई संविधान की हत्या? त्रिवेदी ने शब्दों में डाला जा सकता था। आपातकाल में पूरा विपक्ष जेल में था। करीब डेढ़ लाख आम जनता 18 महीने जेल में रही 38वां और जवाहरलाल नेहरू सरकार में पहला संविधान संशोधन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करने के लिए किया गया था। 1980 में सत्ता में वापसी के बाद इंदिरा गांधी ने राज्यों में विपक्ष की सभी सरकारों को बर्खास्त कर दिया गया था।

मणिपुर के बाद त्रिपुरा में भी भड़की हिंसा, उपद्रवियों ने घर और दुकानों को किया आग के हवाले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
त्रिपुरा। शुक्रवार (12 जुलाई) को एक आदिवासी युवक की मौत के बाद त्रिपुरा में हिंसा भड़क गई है। राज्य के धलाई जिले के गंदा ट्विसा

उपखंड में हिंसा भड़कने के बाद कई घरों और दुकानों में लूटपाट के बाद आग लगा दी गई है गंदा ट्विसा बाजार के बाहरी इलाके में पांच जगहों से हिंसा और आगजनी की खबरें आई हैं। संभावित हिंसा के मद्देनजर त्रिपुरा पुलिस के आईजी कानून एवं व्यवस्था सौमित्र धर और पुलिस अधीक्षक शुक्रवार रात से ही इलाके में डेरा डाले हुए हैं। हिंसाग्रस्त इलाके में उपद्रव को रोकने के लिए शनिवार सुबह से ही अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात कर दिया गया है। गंदा ट्विसा के सबडिवीजनल मजिस्ट्रेट चंद्र जॉय रियांग ने कहा, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इलाके में कई जगहों से आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं। हमने नुकसान के आकलन के लिए दो टीमें बनाई हैं, जिनमें डिप्टी कलेक्टर, मजिस्ट्रेट और तहसीलदार शामिल हैं। ये टीमें लोगों को हुए नुकसान का निरीक्षण और आकलन कर रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के मुताबिक 20-कार्ड क्षेत्र में छह घरों में आग लगाई गई है। मजिस्ट्रेट चंद्र जॉय रियांग ने आगे बताया कि नारायणपुर में 11 दुकानों को आग के हवाले कर दिया गया और एक दुकान को लूट लिया गया। 33 केवी इलाके में दो दुकानों को आग लगा दी गई। एमआर दास पारा में तीन दुकानों को लूट लिया गया और दो बाइकों को आग लगा दी गई। 30-कार्ड क्षेत्र में 12 घरों को आग लगा दी गई है इसके अलावा उन्होंने बताया कि 7-कार्ड क्षेत्र में 20 दुकानों को नुकसान पहुंचा। दुर्गापुर में एक घर, एक बाइक और एक चार पहिया वाहन को आग लगा दी गई। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से हमने हिंसा को और बढ़ने से रोकने में सफलता पाई है।

परीक्षाओं में गड़बडियों के बाद बदला एनटीए का रवैया छुपाने लगा सूचनाएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।यूजीसी नेट, नीट-यूजी जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सामने आयी गड़बड़ियों के बाद विवादों में घिरी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने अपने काम काज तक दी जाती थी।नीट और नेट से लेकर विभिनन परीक्षाओं में गड़बड़ियां सामने आने के बाद अब राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ॐ के रवैये में बदलाव देखने को मिल रहा है। अब तक परीक्षाओं से संबंधित सभी

में सुधार व अधिक पारदर्शिता बरतने की जगह अब चीजों को छुपाना शुरू कर दिया ह इसकी शुरूआत उसने दस जुलाई को शिक्षकों के प्रवेश से जुड़ी परीक्षा एनसीईटी से कर दी है, जिसमें परीक्षा में कितने छात्रों ने हिस्सा लिया, देश भर के कितने केंद्रों यह परीक्षा आयोजित की गई थी, साथ ही वह ठीक तरीके से संपनन हुई या फिर उनमें किसी तरह की गड़बड़ी पाई गई है, जैसी जानकारियां उसकी ओर से नहीं दी गई। रद्द हो गई थी परीक्षा खास बात यह है कि यह वही परीक्षा थी, जो इससे पहले 12 जून को आयोजित की गई थी, जिसे बाद में कुछ गड़बड़ियों के चलते रद्द कर दिया था। एनटीए का यह रवैया तब है, जब उसकी ओर से पूर्व में आयोजित की जाने वाली सभी परीक्षाओं की जानकारी उसी दिन शाम तक या अगले दिन जानकारी पहले ही उपलब्ध करा देने वाली एजेंसी ने सूचनाएं छुपानी शुरू कर दी हैं। हाल ही में कराई गई एक परीक्षा से जुड़ी डिटेल अब तक एजेंसी की ओर से साझा नहीं की गई हैं। इस बीच एनटीए की ओर से परीक्षा से जुड़ी जानकारी सामने न आने से परीक्षा को लेकर सवाल खड़े होने लगे है। एनटीए का यह रवैया तब है, जब परीक्षाओं की गड़बड़ियों के बाद उसके काम-काज में सुधार व पूरी प्रक्रिया को और ज्यादा पारदर्शी बनाने की पहल शुरू की गई है। शिक्षा मंत्रालय ने इसे लेकर एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित है, जिसे दो महीने में इससे जुड़ी रिपोर्ट देनी है। सोची-समझी रणनीति इस बीच सीएसआईआर-यूजीसी नेट परीक्षा 25 से 27 जुलाई को और यूजीसी नेट की परीक्षा 21 अगस्त से चार सितंबर के बीच होना प्रस्तावित है।

कमला हैरिस और राहुल गांधी के बीच फोन पर नहीं हुई बातचीत, अमेरिकी उपराष्ट्रपति के कार्यालय ने किया खबर का खंडन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के कार्यालय ने उस खबर को पूरी तरह निराधार और कांग्रेस के हैंडल ने इस खबर की न तो पुष्टि की और न ही कोई खंडन किया। हालांकि, पार्टी के प्रति खास लगाव रखने वाले कुछ

गलत करार दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि हैरिस और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच गुरुवार को फोन पर बातचीत हुई ह अमेरिका के एक वरिष्ठ पत्रकार ने एक्स पर कहा- ''अमेरिकी उपराष्ट्रपति के कार्यालय के अनुसार यह खबर गलत है। कमला हैरिस ने राहुल गांधी से बात नहीं की है।'' हालांकि इंटरनेट मीडिया पर राहुल गांधी -कमला हैरिस की टेलीफोन पर बातचीत होने की चर्चा जोरों पर रही। उधर इंडरनेट मीडिया अकाउंट द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में राहुल के महत्व को जानबूझकर पेश करना फर्जी खबरों के प्रसार पर सवाल उठाता है और इसे रोकने के लिए एक तंत्र की भी मांग करता है। वैसे राहुल व हैरिस के बीच फोन पर बातचीत होने की चर्चा ऐसे वक्त आई है जब डेमोक्रेटिक पार्टी का एक धड़ा राष्ट्रपति जो बाइडन की जगह भारतीय मूल की कमला हैरिस को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने की पैरवी लगातार कर रहा है।

अनंत-राधिका की शादी में शाहरुख से मिले जॉन सीना तो नहीं रहा खुशी का ठिकाना, किंग खान से कह दी दिल की बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मुंबई। उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में शामिल होने अमेरिकी के दिग्गज रेसलर जॉन अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में दुनियाभर की हस्तियों का तांता लगा रहा। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर समेत कई दिग्गजों ने इस हाई प्रोफाइल शादी

सीना भी पहुंचे। अंबानी परिवार के स्वागत ने जॉन सीना का दिल जीत लिया है। शादी के दौरान जॉन सीना ने बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान से भी मुलाकात की। मुंबई से लौटने के बाद जॉन सीना ने ट्वीट कर यह जानकारी साझा की। जॉन सीना ने कहा कि शादी समारोह में कई नए दोस्तों से मिलने का मौका मिला। इनमें से एक शाहरुख खान भी हैं। जॉन सीना ने कहा कि शाहरुख से मिलते वक्त मैंने कहा कि आपका सकारात्मक प्रभाव मेरे जीवन पर पड़ा है। जॉन सीना ने अनंत-राधिका की शादी में जोरदार स्वागत पर शुक्रिया भी अदा किया। में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। वहीं फिल्म और खेल जगत की हस्तियों ने भी शिरकत किया। दिग्गज अमेरिकी रेसलर जॉन सीना भी शादी में शामिल होने मुंबई पहुंचे थे। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट 12 जुलाई को शादी के बंधन में बंधे। दोनों की शादी जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में हुई। दुनिया भर की हस्तियों ने शादी में शिरकत की। 13 जुलाई को जियो वर्ल्ड सेंटर में अनंत और राधिका की आशीर्वाद सेरेमनी आयोजित की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई हस्तियों ने वर-वधु को आशीर्वाद दिया।

सभी मेडिकल कॉलेजों को बनाना होगा तंबाकू निषेध केंद्र, नेशनल मेडिकल कमीशन ने दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने देशभर के मेडिकल कॉलेजों को तंबाकू उन्मूलन केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया है। तंबाकू के प्रतिकूल प्रभावों से व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है।यह मनोचिकित्सा विभाग और/या अन्य विभागों द्वारा संचालित विशेष क्लीनिक हो सकता है। ये केंद्र तंबाकू मुक्ति के साथ-साथ नशा मुक्ति केंद्र के रूप में भी काम करेंगे।

निपटने और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एनएमसी ने यह निर्देश दिया है। शुक्रवार को जारी एनएमसी के सर्कुलर में कहा गया है कि इस पहल का उद्देश्य तंबाकू की लत छुड़वाने के लिए विशेष सेवाओं को एकीकृत करके स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। सर्कुलर में प्रत्येक मेडिकल कॉलेज से जुड़े सभी अस्पतालों को तंबाकू मुक्ति केंद्र की अध्ययनों से पता चला है कि भारत में तंबाकू उपयोगकर्ताओं की संख्या विश्व में दूसरे स्थान पर है। कम से कम 12 लाख लोग हर साल तंबाकू जनित बीमारियों से मर जाते हैं। भारत में लगभग 27 प्रतिशत कैंसर तंबाकू के कारण होते हैं। तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से एक लाख 82 हजार करोड़ रुपये खर्च होते हैं।

पीएम मोदी ने महाराष्ट्र को दी 29,000 करोड़ रुपये की सौगात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मुंबई को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने मुंबई में सड़क, रेलवे और बंदरगाह से जुड़ी 29,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने कहा कि इस बुनियादी ढांचे के परियोजनाओं से मुंबई की आस-पास के क्षेत्रों से कनेक्टिविटी बढ़ेगी। मेरा लक्ष्य महाराष्ट्र को दुनिया की बड़ी वित्तीय महाशक्ति बनाना और मुंबई को वैश्विक फिनटेक राजधानी बनाना है। छोटे और बड़े निवेशकों ने हमारी सरकार के तीसरे कार्यकाल का उत्साह के साथ स्वागत किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पहुंचे। यहां उन्होंने गोरेगांव स्थित नेस्को ग्राउंड में आयोजित एक समारोह में मुंबई और आसपास की 29400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारी सरकार वंचितों को प्राथमिकता दे

रही है। नौकरियों पर झूठ फैलाने वाले अब बेनकाब हो चुके हैं। हमारा मकसद मुंबई में जीवन की गुणवत्ता को सर्वोत्तम बनाना है। यही वजह है कि मुंबई के आसपास कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया जा रहा है। मुंबई में कोस्टल रोड और अटल सेतु का काम पूरा हो चुका है और आपको याद होगा कि अटल सेतु के बारे में गलत सूचना फैलाई गई थी। इसे रोकने की हर संभव कोशिश की गई, लेकिन इससे सभी को फायदा हो रहा है। मुझे बताया गया है कि प्रतिदिन लगभग 20,000 वाहन इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं इससे प्रतिदिन लगभग 20000-25000 लाख रुपये के ईंधन की बचत हो रही है। पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (ँघ) ने नौकरियों को लेकर एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 3-4 सालों में देश में करीब आठ करोड़ नई नौकरियां पैदा हुई हैं। इन आंकड़ों ने झूठ फैलाने वालों का मुंह बंद कर दिया है। ये लोग निवेश, बुनियादी ढांचे और देश के विकास का विरोध करते हैं। मगर अब बेनकाब हो रहे हैं। देश की जनता उनकी साजिशों को नकार रही है। एनडीए सरकार के विकास का मॉडल वंचितों को वरीयता देने का रहा है, जो दशकों से अंतिम पंक्ति पर रहे हैं, उनको हम प्राथमिकता दे रहे हैं। नई सरकार के शपथ लेते ही हमने गरीबों के लिए पक्के घर और किसानों से जुड़े बड़े फैसले लिए हैं। महाराष्ट्र की महायुति सरकार भी इसी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। मुझे खुशी है कि महाराष्ट्र सरकार ने हर साल 10 लाख नौजवानों को स्किल ट्रेनिंग देने का संकल्प लिया है। पीएम मोदी ने कहा कि बीते 10 साल में महाराष्ट्र में नेशनल हाइवे की लंबाई बढ़कर तीन गुना हो चुकी है। गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड प्रोजेक्ट प्रगति और प्रकृति के तालमेल का शानदार उदाहरण है। कनेक्टिविटी के ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर से पर्यटन, खेती और उद्योग सभी को लाभ हो रहा है। रोजगार के नए अवसर बन रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जब अच्छी कनेक्टिविटी होती है तो उससे महिलाओं को सुरक्षा, सुविधा और सम्मान भी मिलता है। यानी एनडीए सरकार के ये काम गरीब, किसान, नारीशक्ति और युवाशक्ति को सशक्त कर रहे हैं।पीएम ने कहा कि एक महीने से मुंबई देश-विदेश के निवेशकों के उत्सव की साक्षी बनी है। छोटे बड़े हर निवेशक ने हमारी सरकार के तीसरे टर्म का उत्साह से स्वागत किया है।

मिर्ज़ापुर सोनभद्र

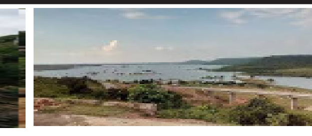

नदी में नहाते समय डूबने से पांच साल के मासूम की मौत, शादी समारोह में शामिल होने आया था बालक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। जिले में नहाते समय नदी में डूबने से एक पांच साल के मासूम की जान चली गई। घटना की जानकारी उसके साथ गए अन्य बच्चों ने घरवालों को दी तो परिवार में कोहराम मच गया। मिर्जापुर जिले के ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के बंजारी कलां गांव में ननिहाल में एक शादी समारोह में शामिल होने आए पांच वर्षीय बालक की नदी में नहाते समय गहरे पानी में जाने से डूबकर मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बंजारी कलां गांव के बंगलहवा मोहल्ला निवासी मुनीब कोल की बेटी की बीते 12 जुलाई को शादी थी। शादी समारोह में शामिल होने के लिए प्रयागराज जिले के कोरांव थाना क्षेत्र के छापर हनुमानगंज निवासी मुनीब की बेटी छोटकी व दामाद मिथुन कोल अपने पांच वर्षीय पुत्र संदीप व परिजनों के साथ बंजारी कलां गांव आए थे। शादी संपन्न होने के दूसरे दिन छोटकी का पुत्र संदीप ननिहाल के अन्य बच्चों के साथ गांव स्थित सेवटी नदी के कुंडा घाट पर नहाने गया था। जहां गहरे पानी में जाने से बालक की डूबने से मौत हो गई। साथ गए अन्य बच्चे चीखते-पुकारते हुए घर पहुंचे। संदीप के नदी में डूबने की जानकारी दी। आनन-फानन परिजन दौड़ते हुए नदी पर पहुंचे। काफी खोजबीन के बाद संदीप के शव को नदी से बाहर निकाला गया। मृत बालक तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दिए बिना बालक के माता-पिता रोते बिलखते हुए शव को लेकर प्रयागराज जिला स्थित अपने घर चले गए। घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को नहीं है। मृतक बालक के पिता मिथुन कोल का कहना है कि नदी में सनन के दौरान बेटे की मौत हो गई। शव को दाह संस्कार के लिए घर पर लेकर चले आए।

बंद मकान से नकदी और आभूषण उठा ले गए चोर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सीखड़। चुनार कोतवाली क्षेत्र के मगरहा गांव में बंद पड़े एक मकान के मेन दरवाजे की कुंडी काटकर अंदर घुसे चोर आभूषण, नकद रुपये, इनवर्टर की बैटरी आदि सामान उठा ले गए। शनिवार की सुबह चोरी की जानकारी होने पर सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। मंगरहा गांव निवासी धर्मजीत सिंह उर्फ छोटू अपने परिवार के सदस्यों के साथ सोनभद्र के बीना एनसीएल में रहकर नौकरी करते हैं। घर पर ताला बंद रहता है। शुक्रवार की रात चोर दरवाजे की कुंडी काटकर घर के अंदर रखे सोलर पैनल की पांच बैटरी तथा बड़ा बक्सा, आलमारी तोड़कर दो कान के टप्स, एक चेन, दो पायल, दो सिलिंडर, दो परात, दो हंडा और 10 हजार रुपये नकद समेत बाकी समेत उठा ले गए। सुबह ग्रामीणों ने दरवाजे की कुंडी टूटा देख भवन स्वामी तथा उनके दामाद सोनबरसा निवासी नीरज कुमार सिंह को सूचना दी। नीरज की तहरीर पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। चुनार कोतवाल अमित मिश्रा ने बताया कि चोरी मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

डिवाइडर से टकराकर बाइक सवार की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
विंध्याचल। अमरावती चौराहा स्थित मानक समय के पास शुक्रवार को देर रात बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया। जहां एक की मौत हो गई। मौत होने पर परिजन हंगामा करने लगे। परिजनों का आरोप था कि एंबुलेंस देर से पहुंची, इसलिए मौत हो गई। डॉक्टर का कहना था कि प्राथमिक उपचार कर रेफर कर दिया गया था, परंतु परिजन हंगामा कर मारपीट करने लगे।विंध्याचल थाना क्षेत्र के मड़गुड़ा गांव निवासी कन्हैया बिंद (22) अपने साथी पंडित बिंद के साथ बाइक से किसी काम से शुक्रवार की रात विंध्याचल क्षेत्र में गए थे। दोनों रात में करीब 12 बजे बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में अमरावती चौराहा स्थित मानक समय केंद्र के पास बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। सूचना पर पहुंचे परिजन दोनों को सीएचसी ले गए। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर रेफर कर दिया। इस बीच एंबुलेंस देर से आने पर परिजन हंगामा करने लगे। इस दौरान युवक की मौत हो गई। हादसे में मृत कन्हैया के पिता प्रभुलाल बिंद का आरोप है कि एंबुलेंस डेढ़ घंटे बाद पहुंची। इससे उनके पुत्र की मौत हो गई। उधर, हंगामा होने पर डॉक्टर का आरोप है कि प्राथमिक उपचार कर घायल को रेफर कर दिया गया था। इस पर परिजनों ने हंगामा करते हुए मारपीट की। सीएमओ डॉ. सीएल वर्मा ने बताया कि परिजन एंबुलेंस देर से आने का आरोप लगा रहे हैं। एंबुलेंस कर्मियों का कहना है कि देर नहीं हुई थी, वे सीएचसी पहुंच गए थे, परंतु मारपीट और हंगामा देख गाड़ी अंदर ले गए। इसकी जांच कराई जा रही है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा डॉक्टर के साथ भी मारपीट की गई है। डॉक्टर ने सीएचसी प्रभारी को शिकायती पत्र दिया है।

कनहर बांध के सभी फाटक खुले, जलस्तर की निगरानी बढ़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
दुद्धी। सीमावर्ती राज्यों में हो रही बारिश के बाद कनहर बांध को एक बार फिर से भरा जाने लगा है। बांध में पानी के बढ़ते जलस्तर से क्रेस्ट लेबल मापा जा रहा है। इसकी निगरानी सिंचाई विभाग की बाढ़ नियंत्रण टीम कर रही है। जलस्तर बढ़ने के साथ डूब क्षेत्र के चार गांवों में पानी भरने लगा है। बांध के फाटक खोल दिए गए हैं।अमवार के फील्ड हॉस्टल में बने बाढ़ नियंत्रण कक्ष से छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज, खुरी, त्रिशूली, कनहर नदी और यूपी के पांगन नदी पर निर्मित बांध के जलस्तर की हर घंटे की अपडेट ली जा रही है। पिछले वर्ष की तरह ही इस बार भी बांध में आरएल 255 मीटर तक पानी रोका जाएगा। इस लेबल तक की बांध में पानी रोकने पर सुगवामान, सुंदरी, कोरची, भिसूर चार गांव डूब गए थे। इस बार भी उसी लेबल तक बांध में पानी की क्षमता को रोककर ट्रायल किया जा रहा है। वर्तमान में क्रेस्ट लेबल 251.30 तक पानी पहुंच कर ओवर पंप होने लगा है। बांध के सभी 16 फाटक को हाइड्रोलिक से तीन मीटर तक उठा दिया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर बांध परिक्षेत्र में किसी भी पर्यटकों के लिए रोक लगाई गई है।कनहर सिंचाई परियोजना के लिए बजट को लेकर विस्थापित परिवारों में भारी आक्रोश है। चिन्हित विस्थापित परिवार की संख्या 4121 है। इसमें 3600 आवासीय प्लॉट आवंटित हो चुका है। 3521 विस्थापित परिवार को पैकेज का लाभ मिल चुका है। अभी करीब 600 परिवार को पैकेज का लाभ मिलना है, लेकिन बजट के अभाव में विस्थापित परिवार को मुवावजा नहीं मिल सका। बांध में 251.302 क्रेस्ट लेबल पहुंच कर पानी ओवर पंप होने लगा है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष से निगरानी की जा रही है। बजट के लिए विभाग लगातार लखनऊ में अधिकारियों से मिलकर बैठक कर रहा है।

सड़क हादसे में घायल बाइक सवार दूसरे युवक की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
पटेहरा। नेवढ़िया गांव के पास लालगंज-कलवारी संपर्क मार्ग पर सड़क हादसे में घायल दूसरे बाइक सवार युवक की भी शुक्रवार को देर रात मौत हो गई। सड़क हादसे में सभी चार लोग घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे परिजन अपने निजी साधन से घायलों को उपचार के लिए पटेहरा पीएचसी ले गए। जहां नीरज की मौत हो गई। डॉक्टर ने

बाइक सवार दो युवकों समेत चार लोग घायल हुए थे। उनमें से बाइक सवार दोनों युवकों की मौत हो गई।कुहूंकि गांव निवासी नीरज (21) अपने साथी सूरज (19) के साथ बाइक से दीपनगर गए थे। रात करीब नौ बजे दीपनगर से बाइक से घर लौटते समय नेवढ़िया गांव के पास पैदल जा रहे गांव के ही शंभू (35) तथा जगनारायण (38) को टक्कर मार दी। इस सूरज और शंभू को ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। प्रधान प्रतिनिधि ओमप्रकाश ने बताया कि सूरज की हालत गंभीर थी। ट्रॉमा सेंटर ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। सूरज के शव का पोस्टमार्टम वाराणसी में ही कराया गया। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में घायल बाइक सवार दूसरे युवक की भी मौत हो गई।

चारपाई पर सो रहे दो बहनों का सर्प ने डसा, एक की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लालगंज। लहंगपुर ग्राम पंचायत के मेवड़ी गांव में शनिवार की सुबह चारपाई पर सोते समय दो सगी बहनों को सर्प ने डस लिया। मंडलीय अस्पताल पर ले जाने पर डॉक्टर परिवार वालों को बताया कि उन्हें सर्प ने काट लिया है। इस बीच परिवार वालों ने जब इधर-उधर देखा तो सर्प कमरे से बाहर निकल रहा था।इस बीच दोनों की हालत बिगड़ने लगी। परिजन दोनों को

ने एक को मृत घोषित कर दिया। दूसरी बहन को कछवां अस्पताल में भर्ती कराया गया है।मेवड़ी गांव निवासी मिठाई लाल का पूरा परिवार शुक्रवार की रात खाना खाने के बाद सो गया। उनकी दो बेटियां पूजा (16) और पूनम (12) चारपाई पर सो रही थीं। शनिवार की सुबह करीब चार बजे किसी जहरीले सांप ने दोनों को डस लिया। इससे दोनों बहनों की नींद खुल गई। दोनों ने मंडलीय अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने पूजा को मृत घोषित कर दिया। घबराए परिजन पूजा को लेकर घर चले गए। कुछ रिश्तेदारों व पड़ोसियों ने पूनम को कछवां अस्पताल में भर्ती करवाया। पिता मिठाई लाल ने बताया कि उसकी पूजा गांव में स्थित इंटर कॉलेज में कक्षा 10 में पढ़ाई करती थी। पूनम की हालत भी गंभीर है।

ड्यूटी में लापरवाही पर सात सफाईकर्मी निलंबित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के आगमन के मद्देनजर विंध्याचल में ड्यूटी के दौरान लापरवाही की शिकायत मिलने पर डीपीआरओ ने सात सफाई कर्मचारियों को निलंबित कर दिया।डीपीआरओ संतोष कुमार ने बताया कि छानबे विकास खंड के रायपुर में तैनात सफाईकर्मी कमलेश, महोपुर के तैनात तितरिस अली, बघौरा के रामयश, रायपुर के राम मिश्रा, जासा बघौरा के श्रीनाथ, बिरोही की रानी देवी तथा बौता विशेषर के अजीत कुमार सिंह की ड्यूटी डाक बंगला, हेलीपैड और अन्य स्थानों पर लगाई गई थी। कर्मचारी ड्यूटी स्थल पर मौजूद तो रहे, लेकिन सफाई नहीं की गई थी। काम में लापरवाही बरतने पर सात सफाई कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया।

सात थानों में एक भी मामले का निपटारा नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। थाना समाधान दिवस पर जिले के 18 थानों में आए 353 मामलों में मात्र 36 का ही मौके पर निपटारा हो सका। सात थानों में एक भी मामले का निपटारा नहीं किया जा सका।कटरा कोतवाली में आए 12 प्रार्थना पत्रों में से चार, विंध्याचल में 25 में से एक, देहात कोतवाली में 95 में से दो, चील्ह में 23 में से एक, कछवां छह में से एक, लालगंज में 17 में से एक, जिगना में 17 में से एक, संतनगर में 22 में से छह, चुनार में 18 में दो, अदलहाट में 32 में से 15, जमालपुर में 11 में दो इन थानों पर समस्याओं का निपटारा किया गया। शहर कोतवाली में पांच, पड़री में 21, हलिया में 11, ड्रमंडगंज में 17, मडि़हान में 12, राजगढ़ में 11, अहरौरा में आए आठ मामलों में एक भी मामले का निपटारा नहीं किया गया। एएसपी सिटी नितेश सिंह ने चील्ह थाने में लोगों की शिकायतें सुनीं। एएसपी ओम प्रकाश सिंह ने सीओ लालगंज अमर बहादुर के साथ लोगों की शिकायतें सुनीं। चुनार कोतवाली में सीओ अशोक सिंह ने लोगों की शिकायतें सुनीं। लालगंज थाने में तहसीलदार आशीष पांडे, नायाब तहसीलदार चंद्रगुप्त सागर ने लोगों की शिकायतें सुनीं।

लोक अदालत में 33959 मुकदमे निस्तारित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से दीवानी न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

किया गया। इस दौरान कुल 33959 मुकदमों का निस्तारण किया गया। कुल 11.34 लाख रुपये जुर्माना वसूल किया गया। मृतक और घायल के परिजनों को 5.19 करोड़ प्रतिकर दिलवाया गया।राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश अनमोल पाल, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना वाहन अधिकरण सत्य प्रकाश ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। जनपद न्यायाधीश अनमोन पाल ने कुल तीन आर्बिट्रेशन व मिसलेनियस मामलों का निपटारा किया। प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव ने सुलह-समझौत कराते हुए पति-पत्ने को एक साथ रहने के लिए किया। 28 पीठासीन अधिकारियों ने 79 मोटर दुर्घटना प्रतिकर मामलों का निपटारा किया और 51861905 रुपये प्रतिकर के रूप में मृतकों के परिजनों और घायलों को दिलवाया।स्थायी लोक अदालत के चेयरमैन बृजेश नारायण मिश्र ने तीन, अपर जनपद न्यायाधीश प्रथम बलजोर सिंह ने तीन, विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी एक्ट अंजना ने एक, अपर जनपद न्यायाधीश तृतीय संतोष कुमार गौतम ने एक, अपर जिला जज विनय आर्या ने 534 बैंक ऋण प्री-लिटिगेशन के मामलों का निपटारा सुलह-समझौते के आधार पर कराया। विशेष न्यायाधीश ईसी एक्ट चंद्रगुप्त यादव ने 40, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संजीव कुमार त्रिपाठी ने 2202 मुकदमों का निस्तारण किया। सिविल जज प्रज्ञा सिंह ने 12, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम विकास कुमार सिंह ने 330, अपर सिविल जज पल्लवी सिंह ने 264, सिविल जज एफटीसी अंजुम शैफी ने 252, सिविल जज अनिमा मिश्रा ने पांच, अपर सिविल जज मीना अख्तर ने 107, प्रियंवदा लाल ने 250, रूचि भाटी ने 170 तथा ग्राम न्यायालय मडि़हान की प्रीती ने 41 मुकदमों का निस्तारण किया। विभिनन्न मजिस्ट्रेटों के न्यायालयों में 16906 मामलों का निस्तारण किया गया। नगर पालिका परिषद से संबंधित 2531 मुकदमों का निस्तारण किया गया।

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए ग्रीन कपड़े पहन महिलाओं ने निकाली रैली, दिया ये संदेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पर्यावरण की सुरक्षा के में भ्रमण कर लोगों को पर्यावरण बचाने के लिए पौधे लगाने और पेड़ों

लिए ग्रीन कपड़े पहनकर महिलाओं ने रैली निकाली। विभिनन्न मोहल्लों को बचाने का संदेश दिया। सोनभद्र जिले में बेतहाशा गर्मी और बढ़ते प्रदूषण से जीवन की सुरक्षा के लिए रविवार को गर्ल्स ग्रीन ग्रुप ने रॉबर्ट्सगंज में जागरूकता रैली निकाली। विभिनन्न मोहल्लों में भ्रमण कर लोगों को पर्यावरण बचाने के लिए पौधे लगाने और पेड़ों को बचाने का संदेश दिया। रैली में शामिल महिलाएं ग्रीन कपड़े पहने थीं और हाथों में आकर्षक स्लोगन लिखी तख्तीयां भी लिए हुए थीं। महिलाओं का नेतृत्व कर रहीं डॉ. वीणा सिंह ने कहा कि इस बार की गर्मी ने हमें सच में झकझोरा है। पेड़ों की कटाई तो खूब हो रही है, लेकिन उसके बदले उतने पौधे नहीं लग पा रहे और अगर लग भी रहे तो उनकी सुरक्षा नहीं हो पा रही है। इससे पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। जनजीवन असहज होता जा रहा है। पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए यह रैली निकाली जा रही है।

रपटा पार करने की कोशिश में बहा किशोर, 2 घंटे बाद मिला शव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
खलियारी। चौरा गांव में शुक्रवार देर शाम रपटा पार करने के दौरान तेज बहाव में बहे किशोर का शव दो घंटे के बाद मिला। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।चौरा गांव निवासी बलबीर खरवार (14) शुक्रवार की शाम गांव में ही नयनदह नदी पर बना रपटा पार कर रहा था। रपटा पर पानी चल रहा था। इसी दौरान पैर फिसलने से बलवीर तेज बहाव में बहने लगा। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग उस ओर दौड़े। जब तक लोग कुछ समझ पाते किशोर काफी दूर जा चुका था। ग्रामीणों ने उसकी खोजबीन शुरू की। काफी मशक्कत के बाद उसका शव बाहर निकाला जा सका। किशोर की पहचान कर सूचना परिजनों को दी गई। शव देख परिजन सनन्न रह गए। रो-रोकर उनका बुरा हाल था। ग्राम प्रधान अमृत लाल यादव ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। शनिवार की सुबह माची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

कार्य के दौरान रेलकर्मी की हालत बिगड़ी, उपचार के दौरान मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
ओबरा। फफराकुंड रेलवे स्टेशन के पास शनिवार को कार्य के दौरान तबीयत बिगड़ने से रेल कर्मी की मौत हो गई। घटना से रेल कमिर्यों में शोक की लहर दौड़ गई। सेक्टर 10 स्थित रेलवे कॉलोनी निवासी श्याम सुंदर (55) ओबरा डैम रेलवे स्टेशन पर पॉइंट मैन के पद पर कार्यरत थे। शुक्रवार को फफराकुंड रेलवे स्टेशन के पास ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई। आनन-फानन मौजूद अन्य रेलकमिर्यों ने मामले की सूचना परिजनों को देते हुए तत्काल उन्हें चोपन सीएचसी में भर्ती कराया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि श्याम सुंदर को पहले से ही हार्ट में परेशानी थी, जिसका उपचार झारखंड के चिकित्सक के माध्यम से किया जा रहा था। चोपन सीएचसी के चिकित्सकों ने मेमो भेजकर ओबरा पुलिस को मामले की सूचना दी गई।

चुर्क के भोलेनाथ मंदिर का 1.80 करोड़ से होगा विकास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। नगर पंचायत चुर्क के वार्ड- 5 स्थित शिव मंदिर का 1.80 करोड़ से विकास होगा। वंदन योजना के तहत मंदिर का चयन किया गया जाने के लिए पिपरी से सटे वनदेवी मंदिर का चयन किया गया। इसके बाद नगर पालिका परिषद (रॉबर्ट्सगंज) सोनभद्र स्थित दंडईत बाबा मंदिर परिसर का चयन वंदन

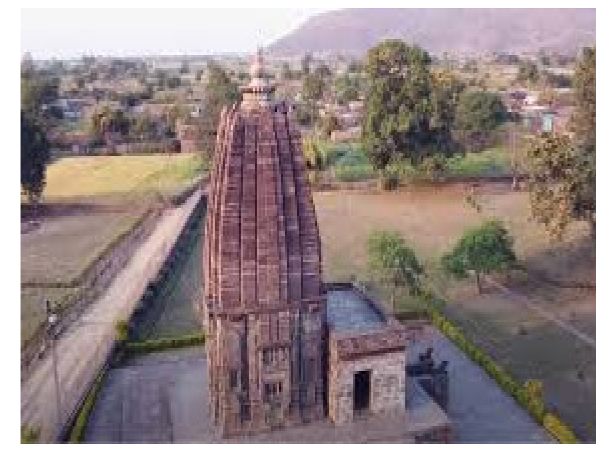

है। इस धार्मिक स्थल का विकास व सुंदरीकरण कराया जाएगा। शासन से धन मिलने के साथ ही विकास कार्य शुरू हो जाएगा। वंदन योजना में चयनित धार्मिक स्थलों की संख्या बढ़कर अब तीन हो गई है, इस योजना से विकास कार्य कराया जाना है।शासन की तरफ से धार्मिक स्थलों का विकास करने के लिए वंदन योजना शुरू किया गया है। वंदन योजना के तहत विकास एवं सुंदरीकरण कार्य कराए योजना में किया गया। इन दोनों धार्मिक स्थल का विकास एवं सुंदरीकरण कार्य कराए जाने के लिए दो-दो करोड़ रुपये का प्रस्ताव शासन में भेजा गया है। जल्द ही वंदन योजना के तहत शासन से धनराशि मिलने की उम्मीद की जा रही है। अब चुर्क नगर पंचायत के वार्ड पांच स्थित शिव मंदिर का चयन वंदन योजना में किया गया है। यहां करीब एक करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से विकास कार्य कराया जाएगा। धार्मिक स्थलों के विकास के लिए शासन से जल्द धनराशि मिलने की उम्मीद है।शिवमंदिर के पास बड़ी संख्या में श्रद्धालु डाला छठ व्रत करते हैं। साथ ही यहां मेला लगता है। इसमें दूर दराज से लोग आते हैं। मगर यहां कई दुर्व्यवस्थाएं भी हैं। यहां विकास कार्य कराए जाने के लिए नगर पंचायत प्रशासन लंबे समय से प्रयासरत है। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ओमप्रकाश यादव ने बताया कि वंदन योजना से शिवमंदिर के आस-पास सुंदरीकरण, पार्क, टीनशेड, पेयजल की व्यवस्था और सीढ़ी का निर्माण कराया जाएगा। ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत न हो। करीब 1.80 करोड़ रुपये की लागत से इसका विकास कराया जाएगा। यहां भक्तों के ठहरने के लिए टीनशेड, पेयजल की व्यवस्था, पार्क एवं सीढ़ी सहित अन्य कार्य कराए जाने हैं। 1.80 करोड़ की लागत से कार्य कराया जाएगा। प्रक्रिया चल रही है। वंदन योजना के तहत वन देवी मंदिर पिपरी का विकास कराया जाना है। अभी इसके लिए धन नहीं मिला है। जल्द ही धन मिलने की उम्मीद है। -अंशुमान सिंह, ईओ- नगर पंचायत पिपरी।

स्पोर्ट्स

दिल्ली कैपिटल्स का नया हेड कोच कौन होगा

शुभमन गिल को सोशल मीडिया पर क्यों पड़ रही हैं गालियां हैरान करने वाली है वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत ने जिम्बाब्वे को चौथे टी20 मैच में 10 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ युवा टीम इंडिया ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त ले ली है।

टीम इंडिया की जीत के हीरो रहे यशस्वी जायसवाल और कप्तान शुभमन गिल। लेकिन इस जीत के बाद शुभमन गिल सोशल मीडिया पर फैंस के निशाने पर आ गए। सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर लताड़ा जा रहा है। जिम्बाब्वे ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट खोकर 152 रन बनाए थे। टीम इंडिया ने 15.2 ओवरों में जायसवाल और गिल की तूफानी पारियों के दम पर 156 रन बना 10 विकेट से मैच अपने नाम किया। जायसवाल 93 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं गिल 58 रन बनाकर नाबाद रहे। इसलिए हो रही है आलोचना दरअसल, गिल की आलोचना इसलिए हो रही है क्योंकि कई लोगों का मानना है कि इस मैच में यशस्वी आसानी से अपना शतक पूरा कर लेते अगर गिल अपन फिफ्टी बनाने के लिए बड़े शॉट्स नहीं खेलते और यशस्वी को शतक बनाने का मौका देते तो। 14वें ओवर के बाद गिल 48 रनों पर थे और यशस्वी 83 रनों पर थे। यहां से भारत को जीत के लिए 18 रन चाहिए थे और यशस्वी को शतक के लिए 17 रन चाहिए। वहीं गिल को अपना अर्धशतक पूरा करने के लिए 48 रन चाहिए थे।जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए चौथे टी20 मैच में भारत ने 10 विकेट से जीत हासिल की। इस मैच में यशस्वी जायसवाल ने नाबाद 93 रन बनाए और कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 58 रनों की पारी खेली।लेकिन इस मैच के बाद सोशल मीडिया पर गिल की जमकर आलोचना हो रही है। गिल को मतलबी बताया जा रहा है और उनकी कप्तानी पर सवाल उठाए जा रहे हैं। 15वें ओवर में गिल ने पहली गेंद पर दो रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद दूसरी गेंद पर छक्का मारा। पांचवीं गेंद पर जायसवाल ने छक्का मार दिया। लेकिन जायसवाल का शतक बनाने का मौका खत्म हो गया था। इस ओवर में कुल 16 रन आए। अगले ओवर में गिल ने पहली गेंद पर एक रन लिया और दूसरी गेंद पर जायसवाल ने चौका मार भारत को जीत दिलाई। गिल हैं मतलबी इसी बात को लेकर गिल की आलोचना हो रही है। लोगों का मानना है कि टीम के पास जीत के लिए पर्याप्त ओवर थे और इसलिए बेहतर होता कि गिल, जायसवाल को अपना शतक पूरा करने का मौका देते। लोगों का मानना है कि गिल ने जानबूझकर जायसवाल का शतक नहीं होने दिया। इसी कारण उन्हें खराब कप्तान कहा जा रहा है।

एमएस धोनी के चेले को बाहर करेंगे गिल, इस खिलाड़ी की होगी वापसी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम खेले हैं भारतीय क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ चौथा टी20 आई थी। गिल ऋतुराज गायकवाड़ को बाहर कर रियान को मौका

ने शनिवार को जिम्बाब्वे को मात देकर पांच मैचों की सीरीज में 3-1 से अजेय बढ़त ले ली है। इस सीरीज का आखिरी मैच रविवार को खेला जाना है। शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम इंडिया इस मैच में भी जीत हासिल कर दौरे का अंत शानदार तरह से करना चाहेगी। वहीं जिम्बाब्वे की कोशिश होगी कि वह जीत के साथ सीरीज का अंत करे। टीम इंडिया ने पहला मैच गंवा दिया था लेकिन फिर इस टीम ने दमदार वापसी की। जिम्बाब्वे युवा टीम इंडिया के सामने टिक नहीं सकी। आखिरी मैच में वह जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। वहीं टीम इंडिया के पास मौका है कि वो उन खिलाडि.यों को मौका जो इस दौरे पर नहीं मैच जीत सीरीज तो अपने नाम कर ली है लेकिन उसकी कोशिश होगी कि वह पांचवें मैच में जीत हासिल करे और दौरे का अंत जीत के साथ करे। दोनों टीमें रविवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में आमने-सामने होंगी और इस मैच में इस बात पर ध्यान होगा कि टीम इंडिया बेंच पर बैठे खिलाडि.यों को मौका देती है या नहीं इस मैच में हार से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। ऐसे में बहुत संभावना है गिल और कोच वीवीएस लक्ष्मण उन खिलाडि.यों को मौका दे दें जो बेंच पर हैं। इसे देखते हुए रियान पराग की टीम में वापसी हो सकती है। पराग को पहले मैच में मौका मिला था लेकिन वह दो रन बनाकर आउट हो गए थे। दूसरे मैच में उनकी बैटिंग नहीं दे सकते हैं। गायकवाड़ शानदार बल्लेबाज हैं और उन्होंने अपनी टी20 खेलने की काबिलियत आईपीएल में चेनन्ई सुपर किंग्स से खेलते हुए दिखाई है मुकेश कुमार को मिलेगा मौका जहां तक गेंदबाजी की बात है तो मुकेश कुमार को मौका मिल सकता है। लेकिन सवाल ये है कि मुकेश अंदर आते हैं तो फिर बाहर क्यों जाएगा। आवेश खान लगातार खेल रहे हैं तो उन्हें बाहर भेजा सकता है। वहीं खलील अहमद भी बाहर जा सकते हैं। तुषार देशपांडे को चौथे मैच में ही डेब्यू करने का मौका मिला था। ऐसे में उनका बाहर जाने की संभावना नहीं दिख रही है।

सीरीज गंवाने के बाद फूटा सिकंदर रजा का गुस्सा, बल्लेबाजी गेंदबाजी नहीं इस चीज को ठहराया हार का जिम्मेदार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 10 विकेट से मात दी। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निणन्य लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 152 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने बिना कोई विकेट गंवाए टारगेट चेज कर लिया। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 53 गेंदों पर 93 रन और कप्तान शुभमन गिल ने 39 गेंदों पर नाबाद 58 रन बनाए। इसके साथ ही भारतीय टीम ने 3-1 से सीरीज पर कब्जा जमाया। सीरीज गंवाने के बाद जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने हार का असली कारण बताया। उन्होंने ना तो गेंदबाजी और ना ही बल्लेबाजी को इसका जिम्मेदार हराया। चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 10 विकेट से मात दी। इसके साथ ही भारतीय टीम ने 3-1 से सीरीज पर कब्जा जमाया। सीरीज गंवाने के बाद जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने हार का असली कारण बताया। उन्होंने ना तो गेंदबाजी और ना ही बल्लेबाजी को

इस शर्मनाक हार का जिम्मेदार हराया। हार के बाद रजा ने कहा, मुझे लगता है कि विकेट थोड़ा नम था और हमें लगा कि 160 का स्कोर ठीक रहेगा, लेकिन जिस तरह से भारतीय टीम ने बल्लेबाजी की उससे 180 का स्कोर भी काफी नहीं होता। हम प्रत्येक खेल से बढ़ते और सीखते रहते हैं। मुझे लगता है कि आखिरी 5 ओवर में 8-10 रन ज्यादा बने। विकेट पर थोड़ी उछाल थी, इसलिए हमें पारी की शुरुआत में खुद पर लगाम लगानी पड़ी। रजा ने कहा, पारी के ब्रेक में भारी रोलर ने भारतीय टीम के लिए काम किया। रोलर के बाद यह एक अच्छा विकेट बन गया।

रोहित-विराट के रिप्लेसमेंट पर यशस्वी जायसवाल ने जो बोला वो दिल जीतने वाला है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। यशस्वी जायसवाल भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे माने जा रहे हैं। उन्होंने बीते एक साल में जो प्रदर्शन किया उससे

काफी उम्मीदें जगी हैं। टेस्ट से लेकर वनडे और टी20 तक में यशस्वी का बल्ला जमकर चला है और यही कारण है कि विराट कोहली, रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास लेने के बाद जायसवाल को इनकी कमी पूरी करने वाला खिलाड़ी माना जा रहा है। जायसवाल हालांकि इतनी दूर के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उनकी करियर में आगे बढ़ने की प्रोसेस अलग है यशस्वी ने शनिवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए चौथे टी20 मैच में शानदार पारी खेली। यशस्वी ने 53 गेंदों पर 92 रनों की पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 13 चौके और दो छक्के मारे। इस पारी के कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। अब टीम इंडिया को इन दोनों के विकल्प खोजने हैं। यशस्वी जायसवाल एक खिलाड़ी हैं जो टीम में आ सकते हैं। यशस्वी से जब इन दोनों के बारे में पूछा गया तो इस युवा बल्लेबाज ने बड़ी सरलता से इसका जबाव दिया और सभी का दिल जीत लिया। मैच के बाद जब यशस्वी से भारतीय टीम में उनके सफर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ये उनके लिए काफी कुछ सीखना वाला रहा है। उन्होंने कहा, ठपिछले साल से, मेरे जीवन में काफी कुछ चीजें हुई हैं। ये अनुभव रहा है। मैं इसका लुत्फ ले रहा हूं। जाहिर है, कई बार जो आपके सामने होता है उसे कबूल करना मुश्किल होता है। आपको उससे बाहर निकलना होता है, यही जीवन है। मैं एक बार में एक ही चीज पर ध्यान देता हूं और हर पल का लुत्फ उठाना चाहता हूं। रोहित-विराट पर क्या बोले यशस्वी से जब रोहित शर्मा और विराट कोहली के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इन दोनों के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करना शानदार था। यशस्वी ने कहा, ठरोहित-विराट ने जो भारतीय क्रिकेट के लिए किया है वो शानदार है। एक ही ड्रेसिंग रूम का हिस्सा होना शानदार है। हम मैच दर मैच के हिसाब से खेलते हैं। एक बार में एक ही मैच पर ध्यान। मैं जब भी मैदान पर उतरता हूं तो मेरा ध्यान अपना बेस्ट देने पर होता है। मैं अपनी प्रोसेस पर फोकस कर रहा हूं।

विंबलडन को आज मिलेगी नई महिला चैंपियन, पिछले सात वर्ष में महिला सिंगल्स में 7 अलग-अलग चैंपियन बनीं

लंदन। बारबोरा क्रेजीकोवा और जैस्मीन पाओलिनी के बीच शनिवार को होने वाले फाइनल में कोई भी जीते, यह सुनिश्चित है कि विंबलडन को इस बार नई महिला चैंपियन मिलेगी। क्रेजीकोवा ने पीठ में दर्द के बावजूद विंबलडन में हिस्सा लिया। यही नहीं इस टूर्नामेंट से पहले वह इस सत्र में कुछ मैच में का सामना करना पड़ा था। विंबलडन में पिछले सात वर्ष में महिला सिंगल्स में सात अलग-अलग खिलाड़ी चैंपियन बनी हैं। इनमें सेरेना विलियम्स भी शामिल है, जिन्होंने 2016 में यहां सातवीं बार खिताब जीता था। क्रेजिकोवा ने 2021 में फ्रेंच ओपन का खिताब जीता था, लेकिन उन्होंने यह सोचा भी नहीं

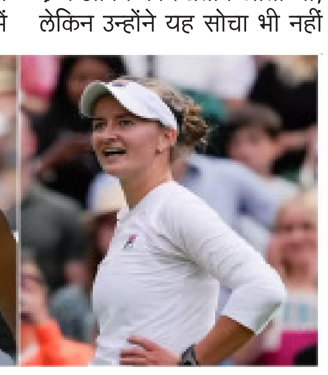

ही जीत दर्ज कर पाई थी। इसलिए वह महिला सिंगल्स के फाइनल में पहुंचकर हैरान थी। यही हाल उनकी प्रतिद्वंदी और सातवीं वरीयता प्राप्त पाओलिनी का है। इन दोनों में से कोई भी खिलाड़ी इससे पहले विंबलडन के फाइनल में नहीं पहुंची थीं। पाओलिनी ने वर्तमान टूर्नामेंट से पहले ग्रास कोर्ट पर खेले जाने वाली इस प्रतियोगिता में जो तीन मैच खेले थे, उन सभी में उन्हें हार था कि वह विंबलडन के फाइनल में पहुंचेंगीं। उन्होंने कहा, 'मुझे काफी मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा। मैंने वास्तव में इसकी कल्पना नहीं की थी कि मैं विंबलडन के फाइनल में जगह बनाऊंगी।' पाओलिनी 1968 में ओपन युग शुरू होने के बाद विंबलडन के सिंगल्स फाइनल में पहुंचने वाली इटली की पहली खिलाड़ी हैं। यह 2016 के बाद पहला अवसर है, जबकि कोई खिलाड़ी एक सत्र में फ्रेंच ओपन और विंबलडन के फाइनल में पहुंची है। उन्होंने कहा, 'पेरिस के बाद यहां भी फाइनल में पहुंचना, सच कहूं तो मैंने इसकी आशा नहीं की थी। यह विशेष है।' पाओलिनी फ्रेंच ओपन के फाइनल में इगा स्वियातेक से हार गई थी, लेकिन यहां वह किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

18 साल बाद फिर इरफान पठान ने यूनिस खान को बनाया खिलौन पाकिस्तानी दिग्गज हो गए बेबस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इरफान पठान भारत के बेहतरीन तेज गेंदबाज रहे हैं। वह भारत के पहले ऐसे तेज गेंदबाज हैं था।इरफान पठान टेस्ट मैचों में भारत के लिए हैट्रिक लेने वाले पहले तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने ये काम पाकिस्तान के खिलाफ साल 2006 आउट किया था। उस समय इरफान की इन स्विंगर यूनिस को छकाती हुई, उनके बल्ले को चकमा देकर पैड पर लगी थी। इरफान ने वर्ल्ड

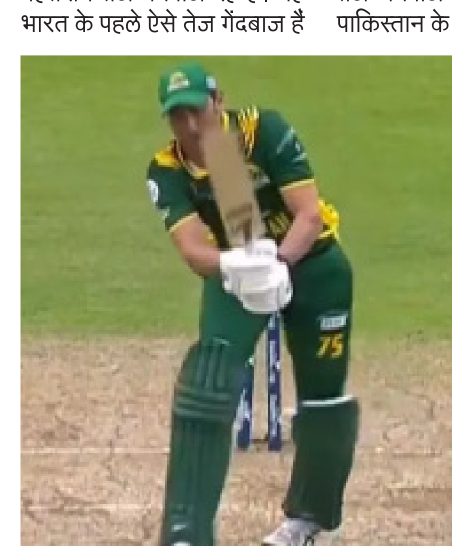

जिसने टेस्ट मैच मैं हट्रिक ली है। उन्होंने ये काम पाकिस्तान के खिलाफ कराची में पहले ही ओवर में किया था। उस मैच में इरफान ने एक बेहतरीन गेंद पर यूनिस खान को आउट किया था। यूनिस को उस गेंद के बारे में कुछ समझ नहीं आया था। इरफान ने 18 साल बाद एक बार फिर यूनिस को उसी तरह की गेंद पर आउट किया है। कराची में जनवरी 2006 में खेले गए टेस्ट मैच के पहले ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर पठान ने लगातार तीन विकेट लिए थे। उन्होंने चौथी गेंद पर सलमान बट, पांचवीं गेंद पर यूनिस खान और छठी गेंद पर मोहम्मद युसूफ को आउट किया में किया था। इस मैच में इरफान ने जिस तरह से यूनिस खान को आउट किया था कुछ इसी तरह से 18 साल बाद फिर इरफान ने यूनिस को उसी तरह से अपना शिकार बना पाकिस्तानी दिग्गज को निराश कर दिया। इरफान पठान और यूनिस खान एक बार फिर शानिवार रात को क्रिकेट की पिच पर उतरे। मौका था वर्ल्ड चैंपियंस ऑफ लीजेंड्स के फाइनल का। इरफान इंडिया चैंपियंस के लिए खेल रहे थे तो यूनिस पाकिस्तान चैंपियंस के लिए। फाइनल में इरफान ने एक बार फिर यूनिस को उसी तरह की गेंद पर आउट किया जिस तरह से 2006 में ली गई हैट्रिक में चैंपियंस ऑफ लीजेंड्स के फाइनल में एक बार फिर यूनिस को इसी तरह की गेंद में फंसाया। इरफान ने फिर ऑफ स्टंप के इनस्विंग गेंद फेंकी और फिर यूनिस चकमा खा गए। गेंद बल्ले और पैड के बीच से सीधे स्टंप पर जा लगी। यूनिस सिर्फ सात रन ही बना सके। पाकिस्तान चैंपियंस ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी की और छह विकेट खोकर 156 रन बनाए। इंडिया चैंपियंस की टीम ने 19.1 ओवरों में पांच विकेट खोकर 159 रन बना मैच अपने नाम कर लिया। भारत के लिए अंबाती रायडू ने 30 गेंदों पर 50 रनों की पारी खेली।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

दिल्ली कैपिटल्स का नया हेड कोच कौन होगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। टीम प्लेऑफ में भी जगह नहीं बना पाई थी। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने मुख्य कोच रिकी पोंटिंग से नाता तोड़ लिया। उन्हें 2018 में दिल्ली कैपिटल्स का हेड कोच नियुक्त किया गया था। फ्रेंचाइजी ने 2020 में एक बार फाइनल के लिए क्वालीफाई कर पाई थी। फाइनल में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली को हराया था। सौरव गांगुली अब दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच होंगे। दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक पार्थ जिंदल ने पिछले आईपीएल के बाद बदलाव के संकेत दिए थे। मेगा ऑक्शन को ध्यान में रखते हुए यह सिर्फ शुरुआत हो सकती है। पोंटिंग का अनुबंध समाप्त हो गया है। ऑस्ट्रेलियाई जगह नहीं बना पाई थी। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने मुख्य कोच रिकी पोंटिंग से नाता तोड़ लिया

दिग्गज ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि वह मुख्य कोच के रूप में काम नहीं करेंगे। ऐसे में गांगुली अब इस पद को संभालेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। टीम प्लेऑफ में भी था। उन्हें 2018 में दिल्ली का हेड कोच नियुक्त किया गया था। फ्रेंचाइजी ने 2020 में एक बार फाइनल के लिए क्वालीफाई कर पाई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गांगुली ने कहा, मुझे के लिए प्लान बनाना होगा। मैं एक बार दिल्ली कैपिटल्स के लिए आईपीएल जीतना चाहता हूं। मेगा ऑक्शन अगले साल है और इसलिए मैंने अभी से योजना बनाना शुरू कर दिया है। रिकी पोंटिंग दिल्ली कैपिटल्स के कोच नहीं होंगे। मुझे फ्रेंचाइजी से बात करनी है और उनसे भारतीय कोचों पर नजर डालने के लिए कहना है। मैं मुख्य कोच बनूंगा। आइए देखें कि मैं कैसा प्रदर्शन करता हूं। 2018 में दिल्ली कैपिटल्स 8वें स्थान पर रही थी। में तीसरे, 2020 में रनर अप, 2021 में टीम ने क्वालिफायर 2 में जगह बनाई थी। आईपीएल 2022 में दिल्ली कैपिटल्स 5वें स्थान पर और लीग के 16वें सीजन में 9वें नंबर पर रही थी। आईपीएल के पिछले सीजन में दिल्ली छठे पायदान पर रही थी।

सम्पादकीय

गलती किसी की हो, अपराधी पुल ही होगा

बने अथवा निर्माणाधीन पुल क्यों गिर गए, इसकी जांच-वांच चलती रहेगी। मजबूर बिहारवासी फिर नावों के सहारे या तैर कर नदियां पार कर रहे हैं और अपनी किस्मत को कोस रहे हैं। दूसरी तरफ गैर बिहारवासियों के मन में खौफ समा गया है बिहार से गुजरता खतरे से खाली नहीं है। पता नहीं बिहार के ही एक जाने माने कवि आलोक रंजन को अपने गृह राज्य में पुलों के धड़ाधड़ गिरने का पूर्वाभास था या नहीं, परंतु टूटे हुए पुल नामक उनकी कविता की ये कुछ पंक्तियां बहुत मौजूं हो उठी हैं- वैसे तो इन दिनो देश में घटिया और जल्दबाजी में किए गए निर्माणों तथा उनके उद्घाटनों की राजनीतिक जल्दबाजी के चलते पुलों, इमारतों, छज्जों के गिरने, ध्वस्त होने और ऐसे अप्रत्याशित हादसों में जान गंवाने की घटनाएं अचानक से बढ़ गई हैं, लेकिन बिहार में जिस तरह एक माह से भी कम समय में विभिनन्न नदी-नालों पर बने 13 पुल पुलिया गिरी हैं या गिर रही है, वह यही साबित करता है कि राज्य भ्रष्टाचार के पुल असली पुलों के मुकाबिल बहुत ज्यादा मजबूत हैं। ऐसे पुल, जिनके ध्वस्त होते जाने को लेकर किसी के माथे पर खास शिकन नहीं है। यानी पुल ही तो था, जो गिर गया। अब क्या करें का भाव। इसको लेकर मीडिया में बहुत हल्ला हुआ तो राज्य की नीतीश सरकार ने 15 इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया। ठेकेदारों पर कार्रवाई की बात भी कही जा रही है। चूंकि बिहार में नीतीश सरकार कपड़ों की मानिंद अपना आवरण बदलती है, इसलिए सभी पाटिर्यां घटिया पुल निर्माण के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार बता रही हैं। इसमें भी यह सावधानी बरती जा रही है कि उसी पुल के बारे में सरकार को कटघरे में खड़ा किया जाए, जिस वक्त आरोपी पार्टी सत्ता में रही हो। इसको लेकर मीडिया में बहुत हल्ला हुआ तो राज्य की नीतीश सरकार ने 15 इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया। ठेकेदारों पर कार्रवाई की बात भी कही जा रही है। चूंकि बिहार में नीतीश सरकार कपड़ों की मानिंद अपना आवरण बदलती है, इसलिए सभी पाटिर्यां घटिया पुल निर्माण के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार बता रही हैं। इसमें भी यह सावधानी बरती जा रही है कि उसी पुल के बारे में सरकार को कटघरे में खड़ा किया जाए, जिस वक्त आरोपी पार्टी सत्ता में रही हो। इस बीच राज्य सरकार ने गिरे हुए पुलों को फिर से बनाने का आदेश दे दिया है। बने अथवा निर्माणाधीन पुल क्यों गिर गए, इसकी जांच-वांच चलती रहेगी। मजबूर बिहारवासी फिर नावों के सहारे या तैर कर नदियां पार कर रहे हैं और अपनी किस्मत को कोस रहे हैं। दूसरी तरफ गैर बिहारवासियों के मन में खौफ समा गया है बिहार से गुजरता खतरे से खाली नहीं है। न जाने कौन सा पुल कब धंस जाए और कोई यात्रा अंतिम यात्रा में बदल जाए। इस देश में प्राकृतिक आपदा, घटिया निर्माण, गलत डिजाइन आदि के चलते पुलों, भवनों का गिरना कोई नई बात नहीं है। दूसरे राज्यों में भी ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। क्योंकि निर्माण के हर टेंडर में भ्रष्टाचार एक अलिखित लेकिन अनिवार्य शर्त होती है, जो सार्वजनीन है। फर्क सिर्फ इतना होता है कई जगह भ्रष्टाचार और कमीशनबाजी की लक्ष्मण रेखा के परे एक लोकलाज की अदृश्य रेखा भी होती है, जिसे ध्यान में रखकर इतनी सावधानी बरतने की कोशिश होती है कि सिर मुंडाते ही ओले न पड़ जाएं। ऐसे में बहुत सी इमारते और पुल निर्माण के कुछ बरस बाद टूटकर व्यवस्था पर भरोसा कायम रखते हैं। टूटने या गिरने की स्थिति में उनके उम्रदराज होने का वाजिब कारण बताया जा सकता है। अलबत्ता बिहार में जो पुल गिरे हैं, वो तो बाल्यावस्था से लेकर जवानी में ही दम तोड़ रहे हैं। ऐसी इक्का-दुक्का घटनाएं पहले भी होती रही हैं, लेकिन पुल ध्वस्तीकरण का यह अटूट सिलसिला राज्य में पिछले माह 18 जून से शुरू हुआ, जहां 7 जुलाई तक 13 पुल दम तोड़ चुके थे। टूटने वाली तेरहवीं एक पुलिया है। इस क्रम में गिरने वाला पहला पुल राज्य के अररिया जिले के सिकटी प्रखंड में था। इसके भी पहले इसी साल मार्च के महीने में सुपौल ज.िले में कोसी नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिरा था। इस हादसे में एक मज़दूर की मौत हो गई थी, जबकि 10 अन्य घायल हुए थे। इसी तरह बिहार में पिछले साल गंगा नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिर गया था। यह पुल क़रीब 1 हजार 717 करोड़ की लागत से भागलपुर ज.िले के सुल्तानगंज और खगड.िया ज.िले के अगुवानी नाम की जगह के बीच बन रहा था। पुल गिरने की इस तस्वीर को बड़ी संख्या में लोगों ने सोशल मीडिया पर साझा किया था और सरकार ने जांच के आदेश भी दिए थे। आगे क्या हुआ किसी को नहीं पता। यूं भारत में पुलों के बनने और उनके गिरते जाने का अपना इतिहास है, जो देश के सामाजिक और राजनीतिक ताने- बाने के बनने और बिगड़ने के समांतर निर्विकार भाव से चलता रहता है।

अच्छी नींद सपना बन गई, तो जाइए नींद पर्यटन पर; लेकिन यह घर पर नियमित स्वस्थ नींद का विकल्प नहीं

नींद पर्यटन तेजी से उभरते स्वास्थ्य पर्यटन का हिस्सा है, जो आज सालाना 800 अरब डॉलर से ज्यादा का कारोबार बन चुका है।कल्पना कीजिए कि आप एक लंबी यात्रा के बाद होटल पहुंचते हैं और वहां स्लीप बटलर स्वागत करने के साथ आपको तकिए के साथ अन्य सेवाओं की सूची पेश करता है। फिर आपको 'नींद-ध्यान सत्र' में बुलाया जाता है और आप एक ऐसे कमरे में पहुंचते हैं, जिसमें एआई-तकनीक वाला स्मार्ट बिस्तर व अन्य सुविधाएं हैं पारंपरिक रूप से छुट्टियां मौज-मस्ती करने, घूमने, दर्शनीय जगहों की यात्रा के लिए होती हैं। लेकिन स्लीप टूरिज्म यानी नींद पर्यटन सिर्फ अच्छी नींद के लिए होता है, जिसमें छुट्टियां लेकर मजे से सोइए। नींद पर्यटन तेजी से उभरते स्वास्थ्य पर्यटन का हिस्सा है। स्वास्थ्य पर्यटन सालाना 800 अरब डॉलर से ज्यादा का कारोबार बन चुका है। आज दुनिया भर में पर्यटकों के लिए होटलों में विलासितापूर्ण आरामगाह हैं। नींद पर्यटन के बढ़ने का मतलब है कि ज्यादातर लोग अच्छी नींद से वंचित हैं। ऑस्ट्रेलिया में एक-तिहाई से ज्यादा वयस्क सात से नौ घंटे की पर्याप्त नींद नहीं ले

पा रहे हैं, जो बेहद जरूरी है अपर्याप्त नींद जीवन में मानसिक स्वास्थ्य, हृदय रोग, चयापचय रोग और किसी भी कारण से होने वाली मौत सहित कई समस्याएं खड़ी कर देती है। लेकिन क्या कोई होटल या कृत्रिम मेधा तकनीकयुक्त ऐशो-आराम वाली जगह व सुविधाएं आपको अच्छी नींद दे सकती है? नींद पर्यटन उद्योग में उपलब्ध ज्यादातर सेवाओं का मकसद शयनकक्ष को ग्राहकों के अनुकूल बनाना होता है। अच्छी नींद के लिए अच्छे गद्दे, तकिए और शांत वातावरण चाहिए। लोग जितनी अच्छी नींद लेंगे, उसकी गुणवत्ता उतनी ही बेहतर होगी। जब हम किसी होटल में रुकते हैं, तो रोजमर्रा के तनावों से मुक्त रहते हैं। सोने के दौरान आने वाली अड़चनों, जैसे पड़ोस में चल रहे निर्माण कार्यों, गाड.ियों या पालतू जानवरों के शोर आदि से भी मुक्त रहते हैं। इसलिए हम घर से दूर शांत माहौल में अच्छी नींद ले सकते है। विज्ञान के मुताबिक, कम समय में भी हम अपनी नींद पूरी कर सकते हैं। कम नींद के बाद जब हमारा मस्तिष्क 'नींद का दबाव' जमा करता है, तो ऐसा हो सकता है। 'नींद का दबाव' बताता है कि नींद के लिए जैविक इच्छा कितनी प्रबल है। नींद का दबाव ज्यादा होने से सोना आसान हो जाता है। अच्छी नींद इससे राहत दिला सकती है। शरीर को आराम देने के लिए रात की नींद महत्वपूर्ण है। लेकिन स्लीप टूरिज्म घर पर नियमित स्वस्थ नींद का विकल्प नहीं है।

किसानों पर जलवायु संकट का कहर जलवायु के प्रति अनुकूल कृषि वाले दृष्टिकोण से बदल सकती है तस्वीर

फसलों की उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए जलवायु-स्मार्ट कृषि प्रौद्योगिकियों की सख्त जरूरत है।पिछले दो वर्षों से लगातार मौसम का कहर अनन्दाताओं पर टूट रहा है। इस साल पड़ी अभूतपूर्व गर्मी जलवायु

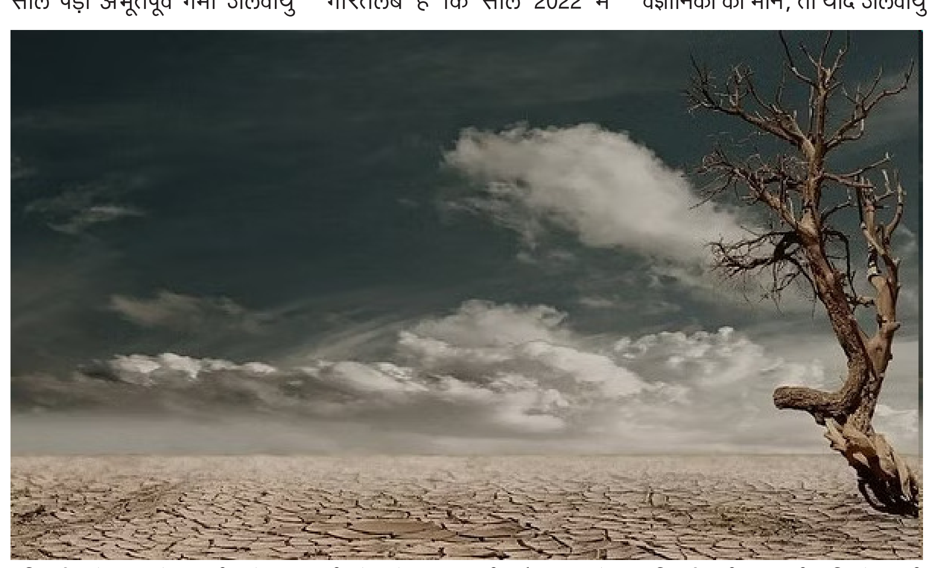

परिवर्तन के चलते बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग का साफ संकेत है। इसने भारत में फसलों की पैदावार को बुरी तरह प्रभावित किया है। पिछले पांच वर्षों में चरम मौसमी घटनाओं ने फसल और उपज के नुकसान के रूप में 60 फीसदी से अधिक सीमांत (दो हेक्टेयर से कम जमीन वाले छोटे और मंझोले) किसानों को प्रभावित किया है। डेवलपमेंट इंटेलिजेंस यूनिट (डीआइयू) द्वारा 'भारत के सीमांत किसानों की स्थिति 2024' पर जारी दूसरी वार्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि भारी गर्मी, सूखा, बेमौसम बारिश और बाढ़ से उनकी पैदावार को नुकसान हो रहा है। इस अध्ययन में साफ तौर पर बताया गया है कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग लगातार छोटे व मंझोले किसानों पर प्रहार कर रहे हैं और उनकी फसलों की उत्पादकता में निरंतर गिरावट आ रही है। गौरतलब है कि साल 2022 में हीटवेव के शुरुआती रौद्र रूप ने भारत में गेहूं की फसल को प्रभावित किया और उत्पादन की मात्रा साल 2021 में?10.959 करोड़ टन से घटकर 10.77 करोड़ टन रह गई। इसने दुनिया के दूसरे सबसे बड़े गेहूं उत्पादक भारत को गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध लगाने को बाध्य किया। वर्ष 2023 में भी इसी वजह से गेहूं का उत्पादन प्रभावित हुआ, और लक्ष्य से लगभग तीस लाख टन कम उत्पादन हुआ। जलवायु परिवर्तन की वजह से मौसम का बदलता मिजाज पिछले कुछ वर्षों से खेती के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है, जो किसानों के लिए मुसीबत बन चुका है। इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेंट चेंज (आईपीसीसी) की रिपोर्ट में गेहूं और मक्के की खेती पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों सहित अन्य क्षेत्रों में भी जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की बात कही गई है। वैज्ञानिकों की मानें, तो यदि जलवायु परिवर्तन की दर इसी गति से बढ़ती रही, तो भविष्य में कई फल मिलने में दुश्वारियां पैदा हो जाएंगी। आने वाले वर्षों में केले के उत्पादन पर भी नकारात्मक असर देखने को मिल सकता है। अगर तापमान में एक डिग्री की वृद्धि होती है, तो गेहूं उत्पादन में करीब तीन से चार फीसदी कमी आएगी। तापमान में चार-पांच डिग्री वृद्धि से उत्पादन में 15-20 फीसदी की कमी आ सकती है। बढ़ते तापमान और बदलते वर्षा चक्र से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की फसलें तबाह हो रही हैं। क्लाइमेट ट्रांसपेरेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि क्लाइमेट चेंज की वजह से धान के उत्पादन में भी 10 से 30 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है, और मक्का की पैदावार में भी 25 से 70 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन से फसल की पैदावार कम होने के साथ उपज की पोषण गुणवत्ता भी घट जाती है। कम वर्षा की वजह से महाराष्ट्र,?तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में चावल, मक्का, कपास, सोयाबीन, मूंगफली और दालों जैसी फसलों की बुआई देर से हो सकी। कई उत्तरी राज्यों में धान के खेत अक्सर बाढ़ के कारण जलमगन्न रहते हैं, जिससे फसल बर्बाद हो जाती है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 19.9 प्रतिशत है।?यह क्षेत्र भारत के 42.6 प्रतिशत लोगों को रोजगार देता है। लिहाजा राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (एनएमएसए) जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) के तहत संचालित मुख्य अभियानों में से एक है। तापमान में वृद्धि और पानी की उपलब्धता में बदलाव, पूरे कृषि-पारिस्थितिकी क्षेत्रों में सिंचित कृषि उत्पादन को प्रभावित करते हैं।?ऐसे में, हमें जलवायु-लचीली कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने और आजीविका में विविधता लाने की जरूरत है। फसलों की उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए जलवायु-स्मार्ट कृषि (सीएसए) प्रौद्योगिकियों की सख्त जरूरत है, जिसमें एक सतत दृष्टिकोण शामिल है। एक प्रभावी जलवायु के प्रति अनुकूल कृषि वाले दृष्टिकोण से हम भारतीय कृषि पर जलवायु परिवर्तन के असर को कम कर सकते हैं।

मानसून के साथ ही मंडराने लगा भूस्खलन का खतरा

भूस्खलन का खतरा दैवी आपदाओं से संबंधित विनाशकारी खतरों में अग्रणी गिना जाता है। भूस्खलन भारत के पर्वतीय क्षेत्र के बड़े हिस्से में सामान्य गतिविधियों में व्यवधान से लेकर बड़े पैमाने पर जान-माल की हानि और विनाश के कारण जीवन और आजीविका के लिए खतरा पैदा करते हैं। इस साल का मानसून अब पूरे सबाब पर पहुंच गया है और इसके साथ ही अतिवृष्टि तथा बादल फटने की घटनाओं की शुरुआत के साथ ही भूस्खलन का खतरा हिमालयी क्षेत्रों सहित देश के पहाड़ी इलाकों पर मंडराने लगा है। कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर के राज्यों में भूस्खलन सबसे अधिक मारक आपदाओं में गिना जाता है। जलवायु परिवर्तन के कारण जल आपदाओं की आवृत्ति में वृद्धि के साथ ही भूस्खलन आपदाओं में यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट्स से टकरा रहा है। इस विवर्तनिक गतिविधि के परिणामस्वरूप क्षेत्र में कई भ्रंश, मोड़ और जोर बनते हैं। इन भूगर्भीय संरचनाओं के साथ जमा भूगर्भीय ऊर्जा के अचानक बाहर निकलने से भूकंप और भूस्खलन हो सकता है। ऐसी हलचलें मुख्य केन्द्रीय भ्रंश (एमसीटी) के आसपास ज्यादा अनुभव की गई हैं। हिमालय की विशेषता बेहद खड़ी ढलानों की है, जो भूस्खलन के लिए काफी संवेदनशील होती हैं। हिमालय के गर्भ में नाजुक चट्टानें हैं। जैसे शेल और मिट्टी, जो आसानी से प्रभावित और नष्ट हो जाती हैं। भारी वर्षा के साथ मिलकर, कमजोर या लूज मिट्टी वाली ढलानों पर जमा मलबा तेज वर्षा या वर्षा जल के दरारों में घुसने से नीचे खिसक या लुड़क जाता है। ग्रेनाइट जैसी मजबूत चट्टानों की तुलना में कमजोर चट्टानें,

भी वृद्धि देखी जा रही है। हालांकि, भूकम्प जैसी आपदाओं में अभी तक सटीक और पर्याप्त समयावधि के लिए पूर्व चेतावनी तंत्र संभव नहीं हो सका है। लेकिन भूस्खलन के मामले में ऐसा नहीं है। इसलिए सटीक पूर्व चेतावनी से एक विश्वसनीय बचाव तंत्र अवश्य ही विकसित किया जा सकता है। नैनीताल, शिमला और जोशीमठ जैसे कई विख्यात नगर मानवीय हस्तक्षेप और दबाव के कारण पहले ही गंभीर खतरे में हैं इसलिए लगभग सभी पहाड़ी नगरों के लोगों को अत्यधिक सतर्कता की जरूरत है। भूस्खलन का खतरा दैवी आपदाओं से संबंधित विनाशकारी खतरों में अग्रणी गिना जाता है। भूस्खलन भारत के पर्वतीय क्षेत्र के बड़े हिस्से में सामान्य गतिविधियों में व्यवधान से लेकर बड़े पैमाने पर जान-माल की हानि और विनाश के कारण जीवन और आजीविका के लिए खतरा पैदा करते हैं। हिमालय और भारत के अन्य पहाड़ी क्षेत्र भूस्खलन गतिविधियों से हर साल बड़े पैमाने पर प्रभावित होते हैं। अतीत में कट्रोपी-2017 (हिमाचल प्रदेश), लपटप प्रदेश), पंपारे-2017 (अरुणाचल प्रदेश), मिरिक-2015 (पश्चिम बंगाल), मालिन-2014 (पुणे), दसलगांव-2007 (महाराष्ट्र), वरुणावत पर्वत-2003 (उत्तराखंड), अंबूरी-2001 (केरल), मालपा भूस्खलन-1998 (उत्तराखंड) आदि घटनाओं के कारण जनधन धन की बहुत अधिक हानि हुई है। पहाड़ी क्षेत्रों के लिए भूकम्प के बाद भूस्खलन सबसे बड़ी त्रासदी है। भूकम्प तो कभी-कभी ही आते हैं। लेकिन भूस्खलन की मुसीबत हर साल की है। एक अनुमान के अनुसार भारत में लगभग 42 हजार वर्ग किमी या 12.6 प्रतिशत भूमि भूस्खलन की जद में है। इसमें से 18 हजार वर्ग किमी दार्जिलिंग और सिक्किम हिमालय सहित उत्तर पूर्व हिमालय में पड़ता है और 14 हजार वर्ग किमी प्रभावित क्षेत्र उत्तर पश्चिम हिमालय (उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर) में पड़ता है। पश्चिमी घाटों और कोंकण पहाड़ियों (तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र) में 9 हजार वर्ग किमी और 1 हजार वर्ग किमी भूस्खलन का स्थानिक वितरण शेल-सैंडस्टोन-मेटासेडिमेंट्स द्वारा नियंत्रित होता है,जो विच्छेदित पहाड़ियों और घाटियों को उत्पनन्न करता है। उत्तराखण्ड जैसे हिमालयी राज्य में हर साल भूस्खलन से भारी धन-जन की हानि होती है। इस पहाड़ी राज्य में औसतन सौ लोग हर साल इस आपदा में जानें गंवा बैठते हैं। कुछ लोग मकान तो कुछ खेती बाड़ी से हाथ धो बैठते हैं। भूस्खलन से बड़े पैमाने पर पर्यावरणीय क्षति होती है जैसे कि मिट्टी के कटाव के कारण तलछट के निर्वहन में वृद्धि और हर साल मानव जीवन का नुकसान।हिमालय में भूस्खलन विभिनन्न भूगर्भीय कारणों से हो सकता है, जिनमें टेक्टोनिक गतिविधि एक कारण है। विदित है कि हिमालय उत्तर की ओर जैसे कि शेल और सिल्टस्टोन, भूस्खलन के लिए अधिक संवेदनशील माने जाते हैं। बेडिंग प्लेन और ज्वाइंट सेट जैसे भूगर्भीय असंतुलन भी भूस्खलन की संवेदनशीलता को बढ़ाते हैं।चूंकि हिमालय समुद्र से चले मानसून को रोकता है, इसलिए मानसून अपने अंदर की जलराशि को हिमालय पर ही उंडेल देता है। इसके अलावा बादल फटने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं जो कि भूस्खलन और त्वरित बाढ़ आपदा का मुख्य कारण होती हैं। स्थानीय स्थलाकृति, भूमि उपयोग प्रथाओं और मानव हस्तक्षेप, जैसे कि वनों की कटाई और निर्माण गतिविधियां भी इस क्षेत्र में भूस्खलन की संवेदनशीलता को बढ़ा सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार हिमालय पर 30ष्ट से 45ष्ट के ढाल वाली पहाड़ियों पर 750 से लेकर 1000 मिमी के बीच वर्षा होने पर भूस्खलन अधिक होते हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर द्वारा तैयार भारत का भूस्खलन मानचित्र या एटलस-2023, हिमालयी राज्य उत्तराखण्ड की डरावनी तस्वीर दिखा रहा है। इस एटलस में हिमालय से लेकर पश्चिमी घाट तक देश के 17 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों को भूस्खलन-संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल किया है। इनमें उत्तराखंड के दो जिले रुद्रप्रयाग और टिहरी गढ़वाल को सबसे ऊपर रखा गया है। यह एटलस उपग्रह से लिए गए चित्रों पर आधारित है। इस रिपोर्ट से पता चलता है कि देश में रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, राजौरी, त्रिशूर, पुलवामा, पलक्कड़, मालाप्पुरम, दक्षिण सिक्किम, पूर्वी सिक्किम और कोझिकोड में भूस्खलन का खतरा सब से ज्यादा है। राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर द्वारा यह रिपोर्ट या एटलस 1988 से 2022 के बीच रिकॉर्ड किए गए 80,933 भूस्खलनों के आधार तैयार की गया है। रिपोर्ट के अनुसार 1988 से 2022 के बीच भूस्खलन की सबसे ज्यादा 12,385 घटनाएं मिजोरम में दर्ज की गई हैं। इसके बाद उत्तराखंड में 11,219, त्रिपुरा में 8,070, अरुणाचल प्रदेश में 7,689, जम्मू और कश्मीर में 7,280, केरल में 6,039 और मणिपुर में 5,494,जबकि महाराष्ट्र में भूस्खलन की 5,112 घटनाएं दर्ज की गई थीं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार सन् 1990 से लेकर 2022 तक भूस्खलन की घटनाओं में 19,316 लोगों की जानें गई हैं। एटलस के भूस्खलन जोखिम विश्लेषण में 147 जिलों में हिमाचल के 11 जिले शामिल हैं जिनमें भूस्खलन से सबसे अधिक खतरा मंडी जिले को बताया गया है। खतरे के हिसाब से इस जिले की रैंक 16वीं है। इसी तरह हिमालयी राज्यों में से जम्मू और कश्मीर के 14 जिले जोखिम की सूची में शामिल हैं। इनमें राजौरी देश का चैथा और पुंछ छठा सबसे अधिक भूस्खलन संवेदनशील जिला है। संवेदनशील जिलों की सूची में केरल के कुल 10 जिले हैं जिनमें 3 जिलों को सर्वाधिक जोखिम में रखा गया है।

विपक्ष के लिए संजीवनी तो भाजपा के लिए आत्ममंथन का समय

पहले चर्चा पश्चिम बंगाल की। यहां चार सीटों पर उप चुनाव हुआ। चार में से तीन सीटों पर पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा जीती थी, जबकि एक सीट तृणमूल कांग्रेस के पास थी। लोकसभा चुनाव की भांति तृणमूल कांग्रेस ने अपने प्रदर्शन को बरकरार रखा है। तीन सीटें रानाघाट दक्षिण, रायगंज और बागदा भाजपा से छीन ली हैं, जबकि मानिकतला को बरकरार रखने में तृणमूल कांग्रेस कामयाब रही है। सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों के उप चुनाव के नतीजे आ गए हैं। 10 सीटें इंडी एलायंस के खाते में गई हैं, जबकि भाजपा को केवल दो और एक निर्दलीय को मिली है। सबसे अधिक घाटा भाजपा को पश्चिम बंगाल में हुआ है। पश्चिम बंगाल के नतीजे यह दर्शा रहे हैं कि जो बढ़त भाजपा को पिछले विधानसभा चुनाव में मिली थी, वो अब खत्म हो गई है। उप चुनाव में कांग्रेस ने जोरदार वापसी की है। विशेषकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में। कांग्रेस ने न केवल अपनी जमीन को बचाया, बल्कि कुछ बढ़ोतरी भी हासिल की। वैसे तो इन नतीजों से किसी भी राज्य की सरकार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगास लेकिन लोकसभा के बाद इन उप चुनावों पर देश की नजर जरूर थी। निश्चित ही भाजपा के लिए आत्ममंथन का समय है।पहले चर्चा पश्चिम बंगाल की। यहां चार सीटों पर उप चुनाव हुआ। चार में से तीन सीटों पर पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा जीती थी, जबकि एक सीट तृणमूल कांग्रेस के पास थी। लोकसभा चुनाव की भांति तृणमूल कांग्रेस ने अपने प्रदर्शन को बरकरार रखा है। तीन सीटें रानाघाट दक्षिण, रायगंज और बागदा भाजपा से छीन ली हैं, जबकि

मानिकतला को बरकरार रखने में तृणमूल कांग्रेस कामयाब रही है। लोकसभा चुनाव के बाद हिंसा को लेकर विपक्ष ने तृणमूल कांग्रेस को घेरा था और ममता बनर्जी पर तीखे आक्रमण हुए थे, लेकिन नतीजे बताते हैं कि जनता पर हिंसा को लेकर कोई भी प्रभाव नहीं पड़ा है। ममता बनर्जी का जलवा बरकरार है। हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर सीट भाजपा ने जीती है, जिस पर पहले निर्दलीय उम्मीदवार का कब्जा था। हिमाचल की बाकी दोनों सीटें देहरा और नलगढ़ कांग्रेस के खाते में गई हैं। यहां भाजपा दूसरे स्थान पर रही है, जबकि यह दोनों सीट पहले निर्दलीय के पास थीं। अभी लोकसभा चुनाव में भाजपा ने हिमाचल प्रदेश की सभी चारों सीटों पर जीत का परचम लहराया था। ऐसे में कांग्रेस ने दो सीट जीतकर वापसी की है। हालांकि, लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस का ध्यान विधानसभा उप चुनाव पर ही था, क्योंकि कांग्रेस सरकार संकट में आ गई थी। इन नतीजों से कांग्रेस को राहत मिली है। उत्तराखंड में भी दो सीटों पर उप चुनाव था। हालांकि, यह दोनों बद्रीनाथ और मंगलौर सीट सत्तारूढ़ भाजपा के पास नहीं थी। कांग्रेस ने बद्रीनाथ सीट पुनः जीत ली है। वैसे, सोशल मीडिया पर इस सीट को लेकर सबसे अधिक चर्चा है। मंगलौर की सीट को कांग्रेस ने बहुजन समाज पार्टी से छीना है। कांग्रेस ने उत्तराखंड में एक सीट की बढ़त बना ली है। बद्रीनाथ सीट को भावनात्मक रूप से देखा जा रहा था। यहां भाजपा ने पूरी ताकत लगाई थी। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश, दोनों ऐसे राज्य हैं, जहां अगिन्वीर योजना का एक बड़ा मुद्दा है।बिहार में भाजपा के सहयोगी जनता दल (यू) को झटका लगा है। रूपौली सीट पर जनता दल (यू) के प्रत्याशी की हार हुई है, जबकि यहां से पप्पू यादव समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार जीत गया है। पप्पू यादव ने पिछले दिनों कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी से भी मुलाकात की थी। भले यहां आरजेडी का प्रत्याशी चुनाव लड़ा, लेकिन पप्पू यादव के निर्दलीय उम्मीदवार को इंडी एलायंस का ही एक हिस्सा मानना चाहिए। तिहाड़ जेल में बंद अरविंद केजरीवाल के लिए जालंधर पश्चिम की सीट एक प्रतिष्ठा का विषय बन गई थी। आम आदमी पार्टी ने इस सीट पर पूरा जोर लगाया हुआ था। हालांकि, यह सीट पहले भी आम आदमी पार्टी के पास ही थी। यहां भाजपा ने दूसरे नंबर पर रहकर यह बताया है कि पंजाब में उसके कदम आगे बढ़ रहे हैं। मध्य प्रदेश से भाजपा के लिए थोड़ी अच्छी खबर आई, क्योंकि यहां की अमरवाड़ा सीट, जो पहले कांग्रेस के पास थी, उसे पार्टी ने जीत लिया है, यानी राज्य में उसकी सीटों में एक सीट का इजाफा हो गया है। इसी प्रकार तमिलनाडु की विक्रवड़ी सीट को डीएमके ने बरकरार रखा है। कांग्रेस और इंडी एलायंस के लिए यह उप चुनाव नतीजे संजीवनी का काम करेंगे। विपक्ष को नई धार मिली है। खासकर अक्टूबर में होने जा रहे हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों को लेकर विपक्ष निश्चित रूप से उत्साहित होगा। विपक्ष के लिए यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि एकजुट होकर वो भाजपा को हरा सकता है। यही रणनीति आगामी चुनावों में भी देखने को मिलेगी। भाजपा के लिए निश्चित रूप से आत्ममंथन का समय है। भले यह नतीजे उसकी सरकारों पर बहुत अधिक प्रभाव न डालें, लेकिन कार्यकर्ताओं का मनोबल तो गिरता ही है। जनता के बीच ऐसी धारणा बनती है कि भाजपा और नरेंद्र मोदी से लोगों का मोहभंग हो रहा है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

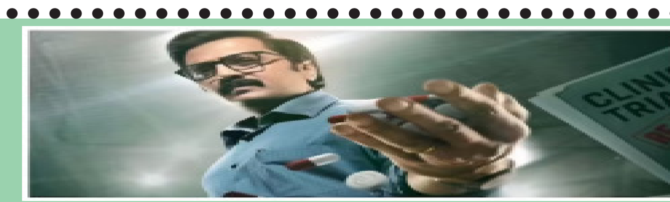

'पिल' से फार्मा कंपनी के धंधे की पोल खोल रहे रितेश देशमुख कहा- कुछ दवाओं को खाने के बाद जो भुगतना पड़ता है

अनंत-राधिका की शादी से ऐश्वर्या और अभिषेक की ये तस्वीर हुई वायरल, अलग-अलग पहुंचने के बाद कुछ इस अंदाज में दिखा कपल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के फंक्शन को लेकर जितनी बातें की जाएं, उतनी कम है। बिजनेस टायकून मुकेश अंबानी के छोटे बेटे की शादी इन दिनों खासा चर्चा में है। दोनों ने 12 जुलाई को जियो कन्वेंशन सेंटर में अगने को साक्षी मानकर शादी की। इस खूबसूरत पल को दुनियाभर की मशहूर हस्तियों ने देखा। अनंत और राधिका के फंक्शन में बिजनेस, स्पोर्ट्स और फिल्मी जगत के तमाम सितारे शामिल हुए। अपने खूबसूरत अंदाज में हर किसी ने यहां शिरकत की। हर फंक्शन के लिए मेहमानों का लुक चर्चा में बना हुआ है। इस बीच जिस चीज ने लोगों का सबसे ज्यादा ध्यान खींचा, वो था बच्चन परिवार और ऐश्वर्या राय बच्चन का शादी में अलग-अलग आना। जहां पूरी बच्चन फैमिली अनंत-राधिका की शादी में एक साथ पहुंची थी, वहीं ऐश्वर्या ने आराध्या के साथ शिरकत की और उन्हीं के साथ पोज भी दिया। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी हुई है। इस शादी में विश्व सुंदरी कही जाने वालीं बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन ने शिरकत की लेकिन वह सिर्फ आराध्या के साथ ही पहुंचीं। बच्चन फैमिली से अलग शादी में शिरकत करने पर अभिषेक और उनके बीच अनबन की खबरें तेज हो गईं। ऐश्वर्या न सिर्फ शादी में बल्कि, शुभ आशीर्वाद सेरेमनी में भी बच्चन फैमिली से अलग ही पहुंची थीं। इसके बाद ऐश्वर्या और अभिषेक के अलग होने की खबरें एक बार फिर तेज हो गईं। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। इसके पहले भी कई बार ऐश्वर्या के बच्चन परिवार से अनबन होने की खबरें सामने आ चुकी हैं। अंबानी परिवार के फंक्शन से आई इस क्लिप ने जहां फैंस की टेंशन बढ़ा दी, वहीं, अब जो तस्वीर सामने आई है, उसे देख लोगों ने राहत की सांस ली है। शादी से आई ये तस्वीर सोशल मीडिया पर शादी से अभिषेक और ऐश्वर्या की एक फोटो वायरल हो रही है। इसमें अभिषेक, ऋतिक रोशन के साथ बैठे नजर आ रहे हैं। अभिषेक के सामने ऐश्वर्या खड़ी है और आराध्या भी वहीं बैठी हैं। इस पिक्चर ने फैंस का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। इसी के साथ इन अफवाहों पर भी पूर्णविराम लगाया है कि दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। अनंत-राधिका के विवाह में बॉलीवुड सेलिब्रिटीज के अलावा राजनीति और आधयात्म क्षेत्र के भी कई लोग शामिल हुए थे। इस शादी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिरकत की थी। उनके अलावा सलमान खुर्शीद, अभिषेक मनु सिंघवी और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सहित कई और लोग शामिल हुए थे।

'मुझे निर्माताओं से कोई सहानुभूति नहीं', सितारों के तामझाम और बढ़ते खर्च पर बेबाकी से बोले राजीव खंडेलवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीवी के शीर्ष अभिनेताओं में शुमार रहे अभिनेता राजीव खंडेलवाल ने स्वयं को ग्लैमर जगत की चकाचौंध से हमेशा दूर रखा। इन दिनों वह सिनेमा के साथ डिजिटल प्लेटफार्म पर भी सक्रिय हैं। डिजनी प्लस हाटस्टार पर हाल ही में प्रदर्शित वेब सीरीज 'शोटाइम' में वह नजर आ रहे हैं, जिसके बचे हुए एपिसोड्स प्लेटफॉर्म पर रिलीज कर दिया गये हैं। उनसे शो और इंडस्ट्री में सितारों की दिखावटी चकाचौंध पर दीपेश पांडेय की बातचीत के अंश। डिजनी प्लस हॉटस्टार पर मार्च में रिलीज हुई वेब सीरीज शोटाइम फिल्म इंडस्ट्री के अंदर की झलक दिखाती है। राजीव खंडेलवाल सीरीज में सुपरस्टार के किरदार में हैं। इस सीरीज में इमरान हाशमी और महिमा मकवाना लीड रोल में हैं जो एक निर्माता और स्टूडियो के मालिक हैं। कहानी मुख्य रूप से इमरान और महिमा के किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है। हर कलाकार इस सवाल पर यही कहेगा कि अभी तो मेरा शोटाइम आना बाकी है या मेरा शोटाइम चल रहा है। वह चाहे अच्छे दौर से गुजर रहे हों या बुरे दौर से। उनके दिमाग में उनका शोटाइम चलता रहता है। मैंने टीवी से लेकर ओटीटी और फिल्म हर जगह काम किया। जब मैं मुड़कर देखता हूं तो मुझे खुशी होती है कि मुझे अलग-अलग माध्यमों में लोगों ने अलग-अलग भूमिकाओं में स्वीकार किया। ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए पिछले 20 वर्ष से शोटाइम ही चल रहा है। मैं कभी नकली बन नहीं पाया, क्योंकि मैंने जब भी नकली बनने की कोशिश की, मैं उसमें सहज नहीं रह पाया। मुझे महसूस हुआ कि वह दिखावे की जिंदगी मैं संभाल नहीं पाऊंगा। जब मुझे कोई बोलता है कि आपको तो काफी पसंद किया जा रहा है तो मुझे लगता है कि वह झूठ बोल रहा है। कोई मुझे नहीं, मेरे पात्र को पसंद कर रहा है। शोबाजी वाला मेरा स्वभाव भी नहीं है। इसलिए मुझे कभी इस बात की टेंशन नहीं हुई कि मुझे एयरपोर्ट या किसी अन्य सार्वजनिक स्थान पर अपने साथ चार बंदे चाहिए। मेरी निर्माताओं के साथ कोई सहानुभूति नहीं है, एक्टर्स बिल्कुल गलत नहीं कर रहे हैं। एक्टर्स को स्टार आपने ही बनाया है, आपने ही उनकी सारी मांगें पूरी करके स्टारडम का राक्षस खड़ा किया है। अब, जबकि उन्हें संभाल नहीं पा रहे हैं तो शिकायत कर रहे हैं। मैं हमेशा से इस मामले में प्रायोगिक रहा हूं कि किसी भी कलाकार को इतनी बड़ी टीम लेकर चलने की जरूरत नहीं है। दिन-ब-दिन मांग बढ़ना तो मानवीय स्वभाव है। आपको ही उन्हें नियंत्रण में रखना चाहिए था। मैं यह भी कहूंगा बदलाव आना जरूरी है। मगर जो गलत है, वो हमेशा ही गलत रहेगा। (हंसते हुए) वो दर्शकों के ऊपर है कि दर्शक उसका क्या मतलब निकलते हैं। मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि मेरी भूमिका किसी एक सितारे पर आधारित नहीं है। मेरा पात्र उस स्टारडम को दिखाता है, जो हम इंडस्ट्री में 20-30 वर्षों से देखते आ रहे हैं। अगर आप गौर से इस पात्र को देखेंगे तो यह हमारी इंडस्ट्री के अलग-अलग सुपरस्टार्स से प्रेरित है। मुझे ऑर्गेनिक सब्जियां खाने का शौक बचपन से था। जब इस स्थिति में आया कि अपना घर खरीद सकूं तो उसमें मेरी प्राथमिकता यह थी कि मुझे घर के बाहर थोड़ी जमीन चाहिए, जहां मैं मनपसंद फल और सब्जियां उगा सकूं। जब मैंने गोवा में घर लिया तो उसमें इतनी सारी चीजें लगा दीं कि अब जब भी जाता हूं तो वहां कुछ ना कुछ खाने के लिए मिल ही जाता है। हाल ही में मैं वहां पहली बार जामुन खाकर आया हूं।

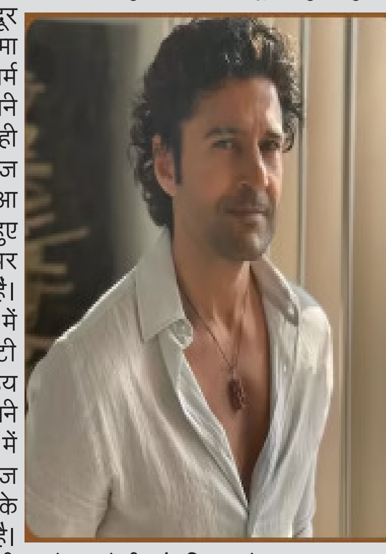

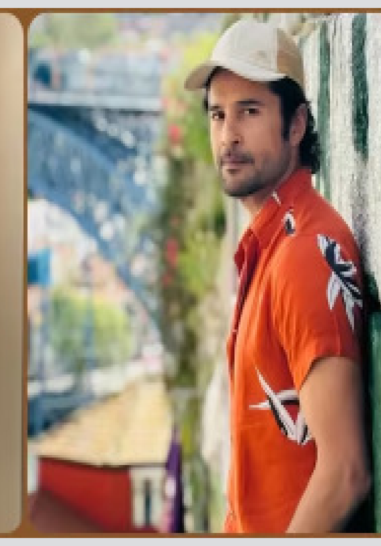

भूस्खलन से जोशीमठ में फंसी कविता कौशिक निकली सुरक्षित बाहर, कई दिनों तक मिलिट्री कैंप में बिताई रात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। उत्तराखंड में बीते दिनों हुए भूस्खलन में फंसी एफआइआर धारावाहिक की अभिनेत्री कविता कौशिक अब सुरक्षित हैं। वह बद्रीनाथ से जोशीमठ के रास्ते में फंस गई थीं। जहां उन्हें चार दिनों तक मिलिट्री कैंप में रहना पड़ा। शनिवार को सुरक्षित बाहर निकलने के बाद वह काशीपुर की तरफ रवाना हुई, वहां उन्हें एक स्कूल समारोह में हिस्सा लेना है। कविता 30 जून को अपने पति रोनित बिस्वास, भाई और पालतू कुत्ते के साथ उत्तराखंड भ्रमण पर निकली थीं। उन्होंने पांच जुलाई को बद्रीनाथ के दर्शन किए। भूस्खलन और खराब मौसम के कारण वह वहां से आगे नहीं बढ़ पाईं और माना स्थित मिलिट्री कैंप में रुकना पड़ा।करीब तीन दिनों तक वहां रहने के बाद उन्होंने जोशीमठ की तरफ प्रस्थान किया। रास्ते में भूस्खलन के कारण वह फिर फंस गईं और करीब चार दिनों तक वहां के मिलिट्री कैंप में रहीं। अब वह सुरक्षित निकल चुकी हैं। इसके लिए उन्होंने सेना तथा पुलिस के जवानों का आभार जताया है। उन्होंने न सिर्फ मेरा बल्कि बद्रीनाथ और जोशीमठ के रास्ते के बीच फंसे हजारों यात्रियों की वहां से निकलने और सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंचने में मदद की। आगे यह भी बताया कि उन्होंने न सिर्फ मदद की बल्कि फंसे यात्रियों के बीच खाना और पानी समेत जरूरी चीजें भी पहुंचाई। हमारे लिए तो अच्छा एडवेंचर रहा, लेकिन जो लोग सड़क पर फंसे थे, उनकी जान हथेली पर थी। मैं चार दिनों तक जोशीमठ और दो-तीन दिनों तक माना के आर्मी कैंप में रही।

खतरों के खिलाड़ी 14 में खतरों से खेलते दिखे करणवीर मेहरा इस दिन ऑन एयर होगा रोहित शेट्टी का शो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिग बॉस के बाद अगर कोई रियलिटी शो फैंस का पसंदीदा है, तो वो है खतरों के खिलाड़ी। इस शो के अभी तक 13 सीजन आ चुके हैं और अब ऑडियंस इसके 14वें सीजन का इंतजार कर रहे हैं। शो को लेकर सोशल मीडिया पर अभी तक कई अपडेट सामने आ चुके हैं, जिसमें कंटेस्टेंट के नाम से लेकर ये कहां शूट हो रहा है जैसी कई चीजें इसमें शामिल है। हालांकि, फैंस खतरों के खिलाड़ी के ऑन एयर होने का इंतजार कर रहे हैं और अब मेकर्स ने उनका ये इंतजार भी खत्म कर दिया है। एक नए प्रोमो के साथ इस रियलिटी शो के ऑन एयर होने की डेट से पर्दा उठ गया है। चलिए जानते हैं रोहित शेट्टी का यह शो कब, कहां और कितने बजे आने वाला है।खतरों के खिलाड़ी सीजन 14 का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। अभी तक इस शो के कई प्रोमो सामने आ चुके हैं जिसमें कंटेस्टेंट अपने डर पर काबू पाते हुए खतरों से खेलते नजर आ रहे हैं। अब मेकर्स ने एक नया वीडियो शेयर किया है जिसमें करणवीर मेहरा नजर आ रहे हैं। अब शो के ऑन एयर होने की डेट भी सामने आ गई है। कलर्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर इसका नया प्रोमो शेयर किया है, जिसमें देखा जा सकता है कि करणवीर मेहरा खतरों का सामना करते हुए नजर आ रहे हैं। फिर रोहित आते हैं और उन्हें कहते हुए सुना जा सकता है कि ऊपर है चॉपर, नीचे है पानी और बीच में है करणवीर, जिसे याद आएगी उसकी नानी। मैं लिखूंगा डर की नई कहानियां इन रोमानिया।

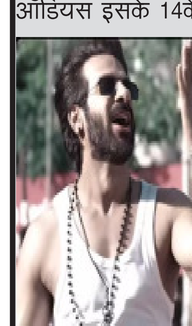

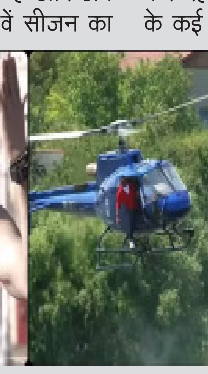

बॉक्स ऑफिस पर 'कल्कि' ने जमाया कब्जा, हुई नोटों की बारिश, खाते में आए इतने करोड़

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रभास स्टारर फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' अपने यूनिक कॉन्सेप्ट को लेकर शुरू से चर्चा में बनी रही। इस मूवी के ट्रेंड में बने रहने के अनेकों कारण हैं। अमिताभ बच्चन के 'अशवत्थामा' कैरेक्टर ने लोगों को खासा प्रभावित किया। इसके अलावा प्रेगनेंसी में दीपिका पादुकोण की एक्टिंग ने भी लोगों का दिल जीत लिया। 'कल्कि 2898 एडी' साइंस फिक्शन मायथोलॉजी फ्यूचरिस्टिक फिल्म है। प्रभास का स्टारडम 'बाहुबली' फिल्म के बाद पैन इंडिया लेवल पर जबरदस्त तरीके से बढ़ा है। इस मूवी ने उनके करियर में चार चांद लगा दिए। वहीं, अमिताभ बच्चन और कमल हासन ने एक बार फिर अपने अभिनय से साबित किया है कि उम्र के इस पड़ाव में भी उनके दमखम और जुनून में कमी नहीं आई है। 'कल्कि' फिल्म को लेकर कई वजहें हैं, जो इसे देखने लायक बनाती हैं, जिसका प्रभाव इसके कलेक्शन में देखने को मिल रहा है। कल्कि 2898 एडी एक रफ्तार से आगे बढ़ रही है। सरफिरा और इंडियन 2 की रिलीज के बाद इस बात की संभावना जताई गई थी कि कल्कि मूवी के कलेक्शन पर इसका असर पड़ सकता है। लेकिन जिस तरह से कल्कि फिल्म कमाई के मामले में आगे बढ़ रही है उससे उसने इन फिल्मों को धूल चटा दी है। हाल ही में 'सरफिरा' और 'इंडियन 2' फिल्म रिलीज हुई। दक्षिण में इन दो मूवीज के जलवे के बावजूद 'कल्कि 2898 एडी' फिल्म का क्रेज कम नहीं हुआ है। यही वजह है कि सिर्फ डोमेस्टिक कलेक्शन में ही नहीं, वर्ल्डवाइड भी ये फिल्म तगड़ा कलेक्शन कर रही है। फिल्म पर शुरुआत से नोटों की बरसात हो रही है। नाग अश्विन के डायरेक्शन में बनी कल्कि फिल्म ने दुनियाभर में 1000 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। 'बजरंगी भाईजान' और 'एनिमल' का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद कल्की की नजर अब शाह रुख खान की 'जवान' और 'पठान' पर है। नाग अश्विन के डायरेक्शन में बनी कल्कि फिल्म ने दुनियाभर में 1000 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। 'बजरंगी भाईजान' और 'एनिमल' का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद कल्की की नजर अब शाह रुख खान की 'जवान' और 'पठान' पर है। जवान' ने 1160 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था। वहीं, 'पठान' का 1055 करोड़ का बिजनेस था। इन दो मूवीज का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद कल्कि का निशाना 'बाहुबली 2' होगी, जिसने 1788.06 करोड़ का कलेक्शन किया। फिल्म की लीड स्टार कास्ट में प्रभास, अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण हैं। इसके अलावा साउथ के भी एक्टर्स की भी एक्टिंग इसमें देखने को मिलेगी। कल्कि मूवी में कमल हासन, एसएस राजामौली, दुलकर सलमान, विजय देवरकोंडा और ब्रह्मानन्दम हैं।

'पिल' से फार्मा कंपनी के धंधे की पोल खोल रहे रितेश देशमुख कहा- कुछ दवाओं को खाने के बाद जो भुगतना पड़ता है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मुंबई। बॉलीवुड में कॉमेडी और नेगेटिव रोल में अपना दमखम दिखा चुके रितेश देशमुख ने ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर बात की। उन्होंने कहा ''मुझे लगता है कि वक्त ने हीरो की परिभाषा बदल दी है। अब ऐसा नहीं है कि हीरो हमेशा सकारात्मक ही रहेगा। उसमें ग्रे शेड्स भी होंगे, फिर भी वो हीरो ही कहलाएगा। हीरो को अब इंसान ज्यादा बना दिया है।'' उन्होंने आगे कहा, ''मैं यहां थिएटर और सिनेमा की बात कर रहा हूं। ओटीटी प्लेटफार्म पर तो इसकी परिभाषा पूरी तरह बदल गई है, शायद 20 वर्ष पहले 'पिल' जैसा शो या फिल्म बनाने से निर्माता यह सोचकर घबराते कि पता नहीं चलेगी या नहीं। फार्मा कंपनी की कहानी में किसकी दिलचस्पी होगी, लेकिन ओटीटी प्लेटफार्म लोगों को नई चीजें करने के लिए हिम्मत देते हैं।''अभिनेता रितेश देशमुख ने वेब सीरीज 'पिल' से डिजिटल प्लेटफार्म पर कदम रखा है। यह शो फार्मा कंपनियों द्वारा समुचित ट्रायल के बिना जल्दबाजी में दवा बनाने के मुद्दे पर आधारित है। इसके अलावा वह छत्रपति शिवाजी महाराज पर फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। वेब सीरीज ओटीटी व अन्य मुद्दों पर उन्होंने साझा की अपने दिल की बातें... . दवाएं जीवन बचाती हैं, पर गलत दवाएं नुकसान कर सकती हैं। किस तरह से हम बिना देखे-सोचे दवाएं खा लेते हैं, यह शो इस पर सवाल उठाएगा। मैं ये नहीं कह रहा हूं कि आपको अपने डाक्टर पर शक करना चाहिए। कई सारी फार्मा कंपनियां है, जो अच्छी दवाइयां बनाती हैं, वहीं कुछ कंपनियां दवाइयों को जल्दी लांच करने के लिए सही प्रक्रिया से नहीं गुजरती हैं। उन्हें खाने के बाद जो लोगों को भुगतना पड़ता है, वो बहुत बड़ी कीमत है। रितेश देशमुख बोले, ''जहां तक सिनेमा में नैतिकता की बात है, तो आपको हर तरीके के पात्र निभाने के लिए तैयार रहना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि आप ऐसा पात्र न निभाएं, जो नैतिक तौर पर गलत हो। अगर आप उसे निभा रहे हैं, तो उसे पूरी सच्चाई के साथ निभाना होता है। अब जैसे 'एक विलेन' फिल्म की बात ही कर लेते हैं। उसमें मेरा अनैतिक पात्र था। वह सीरियल किलर था, लेकिन उसे उतनी ही सच्चाई से निभाना एक कलाकार की जिम्मेदारी है। फिल्मों को बनाने के दौरान नैतिकता का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, लेकिन हर फिल्म नैतिक तौर पर सही नहीं हो सकती है।'' विचारधारा को लेकर कुछ चीजें होती हैं कि ये मैं नहीं करूंगा। हालांकि, अब तक मेरे करियर में वह दुविधा नहीं आई है, जिसे अपनी विचारधारा के आधार पर मना करना पड़ा हो। मैंने जिनके साथ काम किया है, उनकी और मेरी विचारधारा एक-दूसरे से मेल खाती रही है। आपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट डाली थी, 'मां की साड़ी, बच्चों के कपड़े...' वो रील है या रियल है वो एकदम रियल था। कोविड के दौरान हमने सोचा था। तब दीवाली थी, तो नए कपड़े बनवाने थे। मैंने मम्मी से उनकी पुरानी साड़ी ली और उससे अपने और बच्चों के लिए कपड़े सिलवाए थे।जीवन में आपको एक प्वाइंट पर समझ आता है कि आपको किन चीजों को बहुत तवज्जो देने की जरूरत है और किसे नहीं। अब मैं जूते सेल में खरीदता हूं। मैं विदेशी डिजाइनर कपड़े न खरीदता हूं, न पहनता हूं। मुझे लगता है कि वह पैसे कहीं और खर्च कर सकूं। मैं अपने पैसे कपड़ों से ज्यादा खाने-पीने और मनोरंजन पर खर्च करता हूं। मैं अब भारतीय डिजाइनर्स के कपड़े ही पहनता हूं। छत्रपति शिवाजी महाराज पर फिल्म बनाने के प्रोजेक्ट में देरी हो रही है... हां, कुछ महीने में शुरू होगा। लुक ट्रायल चल रहा है। हमें देखना है कि कौन सा लुक आएगा। छत्रपति राजा शिवाजी पर जो फिल्म बना रहे हैं, उसकी चुनौती यही है कि हमें इसे उसी सम्मान के साथ बनाना है, जिस सम्मान से लोग उन्हें पूजते हैं। उम्मीद है कि हमारा प्रयास लोगों को पसंद आए। इंडस्ट्री की कौन सी बातें हैं कि जो कोई दवा देकर हमेशा के लिए ठीक करना चाहेंगे हम वो फिल्में बनाएं ही नहीं, जो मनोरंजन न करें।

नैनी/इलाहाबादा इलाहाबाद यूपी एवं सीवीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं मे सफफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने के सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यार्थी को भविष्य बनाने को मौका नैनी इडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेन्टर दे रहा है इसके जरिए बिना अतिरित्क समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से । तीनो बोर्ड के परिणाम घाषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तर प्रदेश के तकरीवन छव्वीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेन्टर आईटीआई मे चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रुप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार पशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों मे सैकडो पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यार्थियों सें आवेदन मांगे गए है। आईटीआई पास अभ्यार्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे मे विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। अर्थिक रुप से कमजोर तथा पढाई मे बहुत अच्छा नही करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औधोगिक प्रशिक्षण केन्द्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौशर से रचना द्विवेदी चैनल हेड, आधुनिक समाचार हुई खास बातचीत मे उन्होने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

रचना त्रिवेदी नैनी ओद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र क्या है ? इसके बारे में बताए।

मो० कौशर नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लाकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयेग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी–6/24/78/2008– टी.सी. द्वारा श्रम एवं राजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम एद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी–डीजीटी– नई दिल्ली, एनएसआइसी– नई दिल्ली एनआईओएस–नई दिल्ली।

रचना त्रिवेदी नैनी औद्योगिक प्रशिखण केन्द्र में अध्ययन से क्या लाभ है ?

मो० कौशर वर्तमान परिदृयश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्धेश्य से संस्थान 9 वर्षो से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केन्द्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके है। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते है जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

गोली मेरे कान को चीरकर बहुत खून बहा' हमले पर डोनाल्ड ट्रंप की आई पहली प्रतिक्रिया

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर रविवार को एक रैली में जानलेवा हमला हुआ। ट्रंप पेंसिल्वेनिया में एक रैली को संबोधित कर रहे थे तभी हमलावर ने इनपर कई राउंड गोलियां चलाई। गोलीबारी में पूर्व राष्ट्रपति घायल हो गए हैं। इंटरनेट पर घटना के आए वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि उनके एक कान से खून बह रहा है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर रविवार को एक रैली में जानलेवा हमला हुआ। खुद पर हुए हमले के बाद घायल ट्रंप ने हमले को लेकर पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ सोशल पर हमले की आपबीती सुनाई है। ट्रंप ने जल्दी प्रतिक्रिया देने के लिए यूनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस और सभी लॉ एंफोर्समेंट एजेंसियों को धन्यवाद दिया। गोली चलते ही ट्रंप अपने दाहिने कान पर हाथ रखते हुए डायस के नीचे झुक गए। इसके

बाद वहां मौजूद भीड़ में चीख-पुकार मच गई और लोग अपने आप को बचाने की कोशिश में इधर-उधर भागने लगे। इसके फौरन बाद अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने ट्रंप को घेर लिया और उन्हें सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। घायल ट्रंप को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इस बीच पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति की पहली प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'ट्रूथ' पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्रूथ पर लिखा, ठमैं पेंसिल्वेनिया के बटलर में हुई गोलीबारी पर जल्दी प्रतिक्रिया देने के लिए यूनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस और सभी लॉ एंफोर्समेंट एजेंसियों को धन्यवाद देना चाहता हूं। सबसे महत्वपूर्ण, मैं रैली में मारे गए शख्स के परिवार और बुरी तरह घायल हुए एक अन्य शख्स के परिवार के प्रति अपनी संवेदना जताता हूं। यह अविश्वसनीय है कि ऐसा कृत्य हमारे देश में भी हो सकता है। इस समय हमलावर के बारे में कुछ भी पता नहीं है, वह अब मर चुका है। ट्रंप ने घटना के बारे में आगे कहा, ठमुझे एक गोली मारी गई जो मेरे दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में लगी। मुझे फौरन पता चल गया कि कुछ गड़बड़ है, मैंने एक तेज आवाज सुनी, गोली चली, और तुरंत महसूस हुआ कि गोली मेरी चमड़ी को चीरते हुए निकल गई। बहुत खून बह रहा था, तब मुझे लगा यह क्या हो रहा है। ईश्वर भगवान अमेरिका का भला करें।

दोस्त पर हुए हमले से बहुत चिंतित हूं ट्रंप पर गोलीबारी को लेकर पीएम मोदी ने जताया दुख

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर एक चुनावी रैली के दौरान गोलीबारी हुई। बता दें कि

डोनाल्ड ट्रंप पेंसिल्वेनिया के बटलर में चुनावी रैली कर रहे थे, तब उन पर ये हमला हुआ है। अब इस घटना पर कई बड़े नेताओं ने अपने रिएक्शन दिए हैं। पीएम मोदी ने भी इस घटना पर अपने विचार व्यक्त किए हैं, उन्होंने कहा, मेरे दोस्त, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले से बेहद चिंतित हूं। घटना की कड़ी निंदा करता हूं। राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई जगह नहीं है। उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं मृतकों के परिवार, घायलों और अमेरिकी लोगों के साथ हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर स्पष्ट हत्या के प्रयास पर गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि इस तरह के कृत्यों की सबसे कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। पैंसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली में स्पष्ट हत्या के प्रयास के दौरान कान में गोली लगने से ट्रम्प घायल हो गए थे। उन्होंने आगे लिखा, 'मैं पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास से बेहद चिंतित हूं। इस तरह के कृत्यों की कड़ी से कड़ी निंदा की जानी चाहिए।' जानकारी के लिए बता दें कि हमले के दौरान ट्रंप पर एक के बाद एक कई राउंड फायरिंग हुई। इसके बाद उन्हें सर्विस की तरफ से तुरंत कार्यक्रम स्थल से बाहर ले जाया गया। ट्रंप पर गोली चलते ही अमेरिकी पुलिस भी तुरंत हरकत में आ गई, हमले में संदिग्ध शूटर समेत दो लोग मारे गए हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।